संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025
RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक -30 रविवार ,01 दिसम्बर 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

देश की संक्षिप्त खबरें

संभल में 10 दिसंबर तक बाहरी लोगों की एंट्री पर रोक

सपा नेताओं को भी जाने से रोका

संभल,30 नवम्बर 2024(ए)। जिले में बीते 24 नवंबर को सर्वे के दौरान हिंसा का मामला सामने आया था। इसके बाद से जिले में बाहरी लोगों की एंट्री को रोक दिया गया है। जिला प्रशासन ने शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए बाहरी व्यक्तियों के प्रवेश पर अब 10 दिसंबर तक रोक लगा दी है। जिला मजिस्ट्रेट राजेंद्र पेसीया ने कहा, कोई भी बाहरी व्यक्ति, कोई सामाजिक संगठन या जनप्रतिनिधि जनपद की सीमा में सक्षम अधिकारी की अनुमति के बिना 10 दिसंबर तक प्रवेश नहीं करेगा।

अरविंद केजरीवाल पर तरल पदार्थ फेंकने की कोशिश

नई दिल्ली,30 नवम्बर 2024(ए)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजन पर शनिवार को ग्रेटर कैलाश इलाके में हमला हुआ है। हालांकि उन्हें चोट नहीं आई है। हमलावर ने उनके ऊपर कुछ तरल पदार्थ फेंक दिया। इसके तुरंत बाद सुरक्षाकर्मियों ने हमलावर को फौरन पकड़ लिया।

कांग्रेस 26 दिसंबर को बेलगाम से ईवीएम के खिलाफ शुरू करेगी आंदोलन

देशभर में निकालेगी यात्रा

नई दिल्ली,30 नवम्बर 2024(ए)। कांग्रेस 26 दिसंबर को कर्नाटक के बेलगाम से ईवीएम के खिलाफ देशव्यापी आंदोलन की शुरुआत करेगी, इस दिन विस्तारित कार्यसमिति की बैठक के बाद एक विशाल रैली आयोजित की जाएगी।सीडब्ल्यूसी की बैठक में सभी शीर्ष राष्ट्रीय नेता और मुख्यमंत्री भाग लेंगे। बेलगाम में रैली महात्मा गांधी द्वारा 1924 में इसी दिन भव्य पुरानी पार्टी की अध्यक्षता किए जाने की 100वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित की जा रही है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, ईवीएम के खिलाफ प्रस्तावित आंदोलन में चुनाव आयोग पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा, जिसकी चूक और गलतियों के कारण चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी आई है और मतदाताओं में निराशा हुई है।

कांग्रेस के शिकायत पर चुनाव आयोग का जबाब

- चुनाव आयोग ने कहा...चुनाव में कोई गडबड़ी नहीं...
- हर सवाल का मिलेगा जबाव...
- चुनाव आयोग ने 3 दिसंबर को कांग्रेस नेताओं को बुलाया...
- कांग्रेस की ओर से महाराष्ट्र चुनाव को लेकर उठाए गए सवालों पर आयोग का जवाब...
- चुनाव आयोग ने 3 दिसंबर को शाम 5 बजे कांग्रेस नेताओं को बैठक के लिए बुलाया...
- रिजल्ट के बाद कांग्रेस ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में लगाया हेर-फेर का आरोप...

नई दिल्ली,30 नवम्बर 2024(ए)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद कांग्रेस की ओर से ईवीएम (इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन) समेत चुनाव प्रक्रिया से समझौता किए जाने को लेकर उठाए जा रहे सवालों पर निर्वाचन आयोग ने शनिवार को जवाब देते हुए कहा कि चुनाव में कोई गड़बड़ी नहीं हुई है। आयोग ने कहा कि इसके बाद भी पार्टी के जो भी सवाल है वह उन सभी का लिखित और मौखिक दोनों ही तरीके जवाब देने को वह तैयार है।

उद्धव ठाकरे की पार्टी ने भी लगाया गंभीर आरोप

आयोग ने कहा कि वह स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव के लिए सदैव राजनीतिक दलों के सुझाव और शिकायतों का स्वागत करता है। खास बात यह है कि महाराष्ट्र चुनाव के नतीजों के बाद शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट और कांग्रेस दोनों ही पार्टियों ने चुनाव में गंभीर गड़बड़ी का आरोप लगाया था। साथ ही ईवीएम में हेर-फेर की भी शिकायत की थी।
कांग्रेस की ओर से लगाए गए दो प्रमुख आरोपों का शनिवार को चुनाव आयोग ने विस्तार से जवाब दिया। इसमें पहला आरोप मतदान प्रतिशत को लेकर था। जिसमें कांग्रेस ने मतदान के दिन पांच बजे और रात 11 बजे के आंकड़े में भारी अंतर की शिकायत की है। इस पर आयोग ने सफाई दी कि वोटिंग प्रतिशत की एक तय प्रक्रिया है, उसी का पालन मतदान के दौरान किया जाता है। जैसे-जैसे मतदान के आंकड़े आते हैं वैसे ही उन्हें पूर्व के आंकड़ों में जोड़ दिया जाता है।

बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग

कांग्रेस ने अपने ज्ञापन में दूसरी अहम शिकायत मतदाता सूची को लेकर कि है जिस पर आयोग ने कहा है कि यह प्रक्रिया प्रत्येक पार्टी को जानकारी देकर अपनाई जाती है। सभी पार्टियां इसकी जांच परख भी करती हैं।
कांग्रेस ने महाराष्ट्र चुनाव में शाम पांच बजे के बाद वोटिंग प्रतिशत में भारी उछाल के साथ इवीएम से जुड़ी शिकायतों के साथ शुक्रवार को चुनाव आयोग को ज्ञापन सौंपते हुए अपनी शिकायतें विस्तृत तौर पर रखने के लिए आयोग से मिलने का वक्त मांगा था। चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता से समझौता करने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस ने बैलेट पेपर से चुनाव कराने के लिए देशभर में जनजागरण अभियान चलाने का एलान भी किया है।

चुनाव आयोग शिकायतों को सुनने को तैयार

कांग्रेस कार्यसमिति की शुक्रवार को हुई बैठक में भी महाराष्ट्र चुनाव में हेर-फेर का आरोप लगाते हुए चुनाव आयोग के पक्षपातपूर्ण तरीके से काम करने की बात कही गई हरियाणा के बाद महाराष्ट्र चुनाव नतीजों को लेकर उठाए गए सवालों पर आयोग ने अपने जवाब में कहा है कि मतदान के दौरान सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को मतदान प्रतिशत और कुल वोटरों की संख्या की जानकारी लगातार दी जाती रहती है। मगर इसके बाद भी अगर कुछ और शिकायतें और जानकारी हैं तो आयोग उनको विस्तार से सुनने का तैयार है।

आयोग ने कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल को बुलाया

चुनाव आयोग ने कांग्रेस पार्टी के प्रतिनिधिमंडल को तीन दिसंबर को शाम पांच बजे मिलने अपने मुख्यालय बुलाया है। निर्वाचन आयोग ने कांग्रेस पार्टी को यह जवाब उनकी ओर से 29 नवंबर को चुनाव में गड़बड़ियों को लेकर सौंपे गए ज्ञापन पर दिया है। जिसमें वोटों की संख्या और मतदान प्रतिशत को लेकर सवाल खड़े किए गए थे।

महाराष्ट्र में 5 दिसंबर को होगा शपथ ग्रहण

- पीएम नरेंद्र मोदी शपथ ग्रहण कार्यक्रम में होंगे शामिल...
- एकनाथ शिंदे की तबीयत बिगड़ी
- मुंबई से गांव भेजे गए डॉक्टर्स
- भाजपा विधायक दल की बैठक टली

मुंबई,30 नवम्बर 2024 (ए)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव का रिजल्ट आए 7 दिन बीत चुके हैं। भाजपा, शिवसेना शिंदे और एनसीपी अजित पवार गुट यानी महायुति ने 288 में से 230 सीटें जीतीं, लेकिन अब तक सीएम फेस पर सस्पेंस बना हुआ है।
भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि संघ से हरी झंडी मिलने के बाद सीएम पद के लिए देवेंद्र फडणवीस का नाम फाइनल कर दिया गया है। शपथ ग्रहण 5 दिसंबर को शाम 5 बजे मुंबई के आजाद मैदान में होगा। शिवसेना और एनसीपी की ओर से एक-एक डिप्टी सीएम भी शपथ लेंगे। सूत्रों के मुताबिक, एकनाथ शिंदे डिप्टी सीएम का पद लेने को तैयार हैं, लेकिन गृह मंत्रालय पर अड़े हुए हैं। 29 नवंबर को शिंदे दिल्ली में गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात के बाद मुंबई लौटे और सभी कार्यक्रम रद्द कर अपने गांव सातारा निकल गए। गांव में उनकी तबीयत बिगड़ गई है। मुंबई से डॉक्टरों की टीम पहुंची है। इस बीच, भाजपा विधायक दल की बैठक भी दो दिन आगे बढ़ गई है। सूत्रों के मुताबिक, 1 दिसंबर को होने वाली बैठक अब 3 दिसंबर को होगी। इस दिन दिल्ली से दो ऑब्जर्वर मुंबई आएंगे और विधायकों से चर्चा के बाद आधिकारिक रूप से सीएम फेस अनाउंस करेंगे।

बाबा सिद्दीकी मर्डर केस में बड़ा एक्शन

26 आरोपियों पर लगाया गया मकोका

मुंबई,30 नवम्बर 2024 (ए)। बाबा सिद्दीकी हत्याकांड मामले में मुंबई पुलिस ने पूरे केस पर मकोका लगा दिया है। गिरफ्तार सभी 26 आरोपियों पर मकोका के तहत अब मामला कोर्ट में चलेगा।

ईडी की कार्रवाई के बीच आया राज कुंद्रा का पहला बयान

मुंबई,30 नवम्बर 2024 (ए)।अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा की मुश्किलें खत्म होने का नाम नहीं ले रही हैं। प्रवर्तन निदेशालय ने 29 नवंबर को मुंबई और उत्तर प्रदेश समेत 15 ठिकानों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई अश्लील फिल्मों के निर्माण और मोबाइल एप्लिकेशन के जरिए उनकी डिस्ट्रीब्यूशन से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में की गई। इसी बीच, राज कुंद्रा ने इस मामले में पहली बार आधिकारिक बयान दिया है।
ईडी की कार्रवाई के कुछ घंटों बाद, राज कुंद्रा ने सोशल मीडिया पर एक बयान जारी किया। उन्होंने अपनी पत्नी शिल्पा शेट्टी का नाम बार-बार मामले में घसीटे जाने पर कड़ी नाराज़गी जताई। उन्होंने यह बयान उनके लिए है, जो इससे जुड़े हैं। जैसा कि मीडिया को ड्रामा पसंद है, तो रिकॉर्ड साफ करते हैं। मैं पिछले 4 सालों से चल रही जांच में पूरी तरह से सहयोग कर रहा हूं। जहां तक 'पोर्नोग्राफी' और 'मनी लॉन्ड्रिंग' के आरोपों का सवाल है, मैं कहना चाहता हूं कि सनसनीखेज खबरें सच्चाई को बदल नहीं सकतीं। अंत में, न्याय की ही जीत होगी।

हिंदुओं के खिलाफ अत्याचार तुरंत होना चाहिए बंद

चिन्मय दास को किया जाए रिहाः

नई दिल्ली,30 नवम्बर 2024 (ए)। चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी की बांग्लादेश में गिरफ्तारी को लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने शनिवार को कड़ी आपत्ति जताई है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले ने वक्तव्य जारी करते हुए बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार तत्काल बंद करने की अपील की है।
राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा जारी किये गए वक्तव्य में कहा गया, बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार तत्काल बंद हों। इस्कॉन के संन्यासी चिन्मय कृष्ण दास को अन्यायपूर्ण कारावास से मुक्त करें। 30 नवंबर 2024 को बांग्लादेश में हिन्दुओं तथा अन्य सभी अल्पसंख्यकों पर इस्लामिक कट्टरपंथियों द्वारा हमले, हत्या, लूट, आगजनी तथा महिलाओं पर हो रहे अमानवीय अत्याचार अत्यंत चिंताजनक हैं तथा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इसकी भर्त्सना करता है।
बयान में आगे कहा गया, वर्तमान की बांग्लादेश सरकार तथा अन्य एजेंसियां इसे रोकने की जगह केवल मूकदर्शक बनी हुई है। विवशतावश बांग्लादेश के हिंदुओं द्वारा स्वरक्षण हेतु लोकतांत्रिक पद्धति से उठायी गई आवाज को दबाने हेतु उन्हीं पर अन्याय और अत्याचार का नया दौर उभरता दिख रहा है। ऐसे ही शांतिपूर्ण प्रदर्शनों में हिन्दुओं का नेतृत्व कर रहे इस्कॉन के संन्यासी चिन्मय कृष्ण दास को बांग्लादेश सरकार द्वारा कारावास भेजना अन्यायपूर्ण है।

लापरवाही की सभी हदें पार

- 22 महीने से पेट में कैंची लेकर घूम रही महिला...

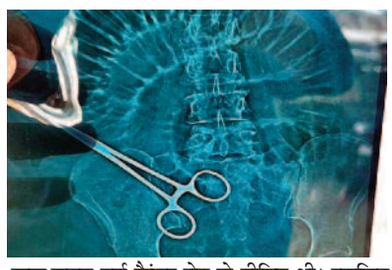

भोपाल,30 नवम्बर 2024(ए)। मध्य प्रदेश के भिंड से लापरवाही का एक बड़ा मामला सामने आया है। यहां जिले के एक गांव की महिला के पेट में 22 महीना से कैची है। जब उसके पेट में तेज दर्द होने लगा तो उसने सोनोग्राफी करवाई जिससे मामले का खुलासा हुआ। अब महिला के पेट का ऑपरेशन करने की तैयारी ग्वालियर में की जा रही है। जल्द ही उसका ऑपरेशन ग्वालियर में होने वाला है। दरअसल सौंधा गांव निवासी एक महिला का 22 महीने पहले पेट का ऑपरेशन किया गया था। ऑपरेशन के दौरान डॉक्टर की कैंची उसके पेट में ही रह गई और टांके लगा दिए गए।पेट में दर्द होने के बाद महिला ने डॉक्टर से संपर्क किया तो डॉक्टर के द्वारा पेट का सीटी स्कैन कराया गया। लेकिन सीटी स्कैन में दिखाई दिया कि पेट में तो कैंची है। जिसे देखकर डॉक्टर भी हैरत में पड़ गए हैं। अब महिला का दोबारा ऑपरेशन करके कैंची को बाहर निकाला जाएगा।उल्लेखनीय है कि ग्राम सौंधा थाना गोरमी निवासी कमला देवी पत्नी कमलेश उम्र 40 वर्ष कुछ समय पूर्व कैंसर रोग से पीड़ित थी। इसलिए ग्वालियर के कमलाराजा अस्पताल में चिकित्सकों के द्वारा उसके पेट का ऑपरेशन किया गया था। लेकिन ऑपरेशन के समय चिकित्सकों के द्वारा बड़ी लापरवाही की गई जिसके चलते महिला के पेट में ही कैंची रहगई थी। कुछ दिन पहले से महिला के पेट में तेज दर्द हो रहा था।
इसलिए महिला भिण्ड जिला अस्पताल में इलाज के लिए आई और चिकित्सकोंने उसे वार्ड में भर्ती कर इलाज शुरु कर दिया था। लेकिन महिला को दर्द से राहत नहीं मिल पा रही थी। जिसके चलते चिकित्सक के द्वारा महिला के पेट का सीटी स्कैन कराया गया। सीटी स्कैन रिपोर्ट आई तो चिकित्सक हैरत में पड़ गए क्योंकि महिला के पेट में कैंची दिखाई दे रही थी।

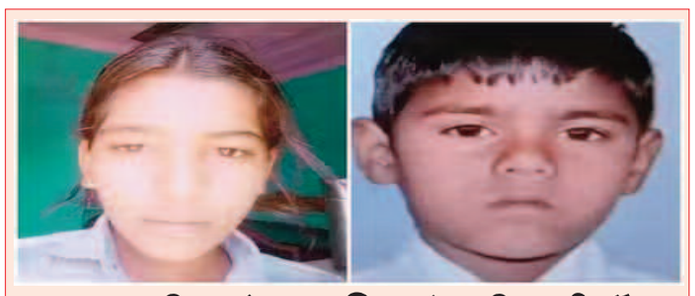

आइसक्रीम से 3 बच्चियों की हुई मौत

इलाके में मचा हड़कंप

सूरत,30 नवम्बर 2024(ए)। गुजरात के सूरत से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। पालीगाम इलाके में रहने वाली तीन बच्चियों की आइसक्रीम खाने के बाद मौत हो गई है। मृतकों में 12 साल की दुर्गा कुमारी, 14 साल की अमिता महंतो और 8 साल की अनिता कुमारी महंतो शामिल हैं।जानकारी के मुताबिक, बच्चियों ने आइसक्रीम खाने के तुरंत बाद उल्टी करना शुरू कर दिया था। उनकी हालत बिगड़ती देख परिजन उन्हें तुरंत अस्पताल ले गए, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। फिलहाल, बच्चियों की मौत का सही कारण जानने के लिए पोस्टमॉर्टम किया जा रहा है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही यह पता चल पाएगा कि बच्चियों की मौत आइसक्रीम खाने से हुई है या किसी अन्य कारण से।पुलिस इस मामले की जांच कर रही है और आइसक्रीम के नमूने जांच के लिए भेजे गए हैं। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि आइसक्रीम कहां से खरीदी गई थी और उसकी गुणवत्ता क्या थी। तीन मासूम बच्चियों की मौत से पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है। लोग इस घटना से बेहद दुखी हैं और प्रशासन से दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

क्या सच में अपनी ही शादी के मंडप में बिकनी पहन आई दुल्हन

लोग कह रहे बेशर्मी की हद

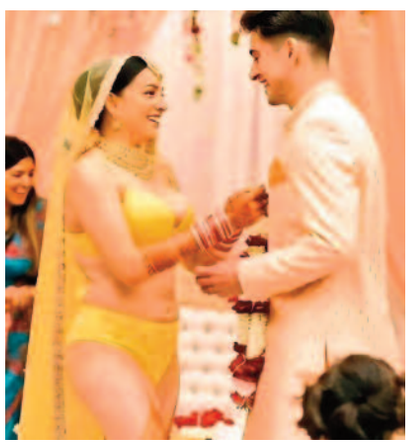

लखनऊ,30 नवम्बर 2024 (ए)। सोशल मीडिया पर शादी समारोह की एक फोटो जमकर वायरल हो रही है। इस तस्वीर को लेकर कई लोगों का दावा है कि दुल्हन ने पीले रंग की बनारसी बिनकी पहनी है। इसकी कपड़े में उसने अपनी शादी पूरी की. माना जा रहा है कि इस महिला ने अपनी शादी के दिन के लिए ऐसी ड्रेस चुनकर लोगों की रूढ़िवादी सोच को चुनौती दी है। अब सवाल ये उठ रहा है कि क्या सच में लड़की ने बनारसी बिकनी में शादी की है? क्या सच में लखनऊ की लड़की ने ऐसे किया है? इंटरनेट पर कई यूजर्स इस तरह के सवाल कर रहे हैं। वायरल फोटो में महिला ने पीले रंग की बिकिनी पहन रखी है। उसने हल्का घूंघट रखा था। कपल ने हाथ में वरमाला पकड़ी हुई थी। दुल्हन ने काफी ज्वैलरी कैरी की थी। उनके हाथों में और पैर में मेहंदी लगी थी। इसे देखने पर लोगों को लगा कि ये तो किसी शादी की तस्वीर है। लोगों को सबसे ज्यादा हैरानी इस बात की हुई कि कैसे एक महिला बिकिनी पहनकर इंडियन ट्रडिशनल शादी कर सकती है। फैक्ट चेक में यह निकलकल सामने आया कि ये वायरल तस्वीर फर्जी है। इसे एआई की मदद से तैयार किया गया है।. असल में ऐसी शादी हुई ही नहीं है।

संपादकीय

भारत-चीन का संबंध विश्व राजनीति के लिए खास महत्व

सेनाओं के बीच आमने-सामने तैनाती की सूरत खत्म हो गई है, इसलिए भारत सरकार की राय में बुनियादी मसला हल हो गया है और अब वक्त चीन से संबंध सामान्य करने का है। इसी नजरिए की झलक रियो में हुई वार्ता में मिली।ब्राजील के रियो द जनेरो में विदेश मंत्री एस. जयशंकर की चीन के विदेश मंत्री वांग यी के साथ बातचीत का निष्कर्ष है कि दोनों देशों ने 2020 में लद्दाख सेक्टर में हुई घटनाओं को भूल कर अब आगे बढने का फैसला किया है।खास कर भारत के नजरिए से यह महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि तब, जैसाकि मीडिया रिपोर्टों, स्थानीय नेताओं और यहां तक कि लद्दाख पुलिस की रिपोर्ट में बताया गया था, चीनी सेना एक बड़े दायरे में उन इलाकों तक घुस आई, जहां पहले भारत का नियंत्रण था।इसी क्रम में गलवान की वारदात भी हुई थी। वैसे, भारत सरकार ने कभी नहीं माना कि चीनी सेना ने कोई घुसपैठ की है।मोदी सरकार का घोषित रुख यही रहा है कि भारत ने उसके कार्यकाल में एक इंच भी जमीन नहीं गंवाई है। भारत सरकार की निगाह में मुद्दा सिर्फ यह था कि चीन ने अपनी फौजों को बिल्कुल सरहद पर ला खड़ा किया है, जो भारतीय बलों को उस इलाके में गश्त लगाने से रोक रहे हैं।अब चूंकि घोषित तौर पर दोनों देशों की सेनाओं के बीच आमने-सामने तैनाती की सूरत खत्म हो गई है, इसलिए उसकी राय में बुनियादी मसला हल हो गया है।ऐसे में स्वाभाविक है कि दोनों देश 2020 में संबंधों में आई अड़चनों से आगे निकलने पर सोचें। इसी नजरिए की झलक रियो में हुई वार्ता में मिली।दोनों विदेश मंत्रियों ने कैलाश मानसरोवर तक भारतीय नागरिकों की तीर्थयात्रा फिर शुरू करने, दोनों देशों के बीच विमानों की सीधी उड़ान चालू करने, और एक से दूसरे के यहां बहने वाली नदियों से संबंधित आंकड़ों को साझा करने पर बातचीत की।साथ ही सीमा विवाद हल करने के लिए विशेष प्रतिनिधि स्तर की वार्ता की तारीख तय करने पर विचार हुआ। दोनों विदेश मंत्री रजामंद हुए कि भारत-चीन संबंध का विश्व राजनीति के लिए खास महत्त्व' है। ये सहमतियां अक्टूबर में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दरम्यान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात में बनी सहमति के अनुरूप ही हैं। तो स्पष्ट है, अब बात संबंधों को सामान्य करने के उपायों पर आ गई है।

एड्स पीड़ितों के प्रति बदले समाज की सोच

योगेश कुमार गोयल
नजफगढ़, नई दिल्ली

एचआईवी संक्रमण के प्रति जागरूकता जरूरी

न केवल भारत में बल्कि समस्त विश्व में लोगों के लिए 'एड्स' आज भी एक भयावह शब्द है। एड्स (एक्वायर्ड इम्यूनो डेफिशिएंसी सिन्ड्रोम) का अर्थ है शरीर में रोगों से लड़ने की क्षमता कम होने से अप्राकृतिक रोगों के अनेक लक्षण प्रकट होना। एच.आई.वी. संक्रमण के बाद एक ऐसी स्थिति बन जाती है कि इससे संक्रमित व्यक्ति की मामूली से मामूली बीमारियों का इलाज भी दूभर हो जाता है और रोगी मृत्यु की ओर खिंचा चला जाता है। आज भी यह खतरनाक बीमारी दुनियाभर के करोड़ों लोगों के शरीर में पल रही है। एड्स महामारी के कारण अफ्रीका के तो कई गांव के गांव नष्ट हो चुके हैं। 'रॉयटर्स' की एक रिपोर्ट के मुताबिक 1980 के दशक में एड्स महामारी शुरू होने के बाद से 77 मिलियन से भी अधिक लोगों में इसका वायरस फैल चुका है। वर्ष 2017 में विश्वभर में करीब 40 मिलियन लोग एचआईवी संक्रमित थे। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक स्तर पर 2023 के अंत तक 3.95 करोड़ लोग एचआईवी के साथ जी रहे थे। एड्स को लेकर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 1 दिसंबर को एक विशेष थीम के साथ 'विश्व एड्स दिवस' मनाया जाता है, जो इस वर्ष 'टेक द राइट पाथ' (सही रास्ता अपनाएं) विषय के साथ मनाया जा रहा है।

वैसे एड्स का इतिहास काफी दिलचस्प है। दरअसल 1981 में न्यूयार्क तथा कैलिफोर्निया में न्यूमोसिस्टिस न्यूमोनिया, कपोसी सार्कोमा तथा चमड़ी रोग जैसी असाधारण बीमारी का इलाज करा रहे पांच समलैंगिक युवकों में एड्स के लक्षण पहली बार मिले थे। चूंकि जिन मरीजों में एड्स के लक्षण देखे गए थे, वे सभी समलैंगिक थे, इसलिए उस समय इस बीमारी को समलैंगिकों की ही कोई गंभीर बीमारी मानकर इसे 'गे रिलेटेड इम्यून डेफिशिएंसी' (ग्रिड) नाम दिया गया था। इन मरीजों की शारीरिक प्रतिरोधक क्षमता असाधारण रूप से कम होती जा रही थी लेकिन कुछ समय पश्चात् जब दक्षिण अफ्रीका की कुछ महिलाओं और बच्चों में भी इस बीमारी के लक्षण देखे जाने लगे, तब जाकर यह धारणा समाप्त हुई कि यह बीमारी समलैंगिकों की ही बीमारी है। तब गहन अध्ययन के बाद पता

चला कि यह बीमारी एक सूक्ष्म विषाणु के जरिये होती है, जो रक्त एवं यौन संबंधों के जरिये एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक पहुंचती है। तत्पश्चात् इस बीमारी को एड्स नाम दिया गया, जो एचआईवी नामक वायरस द्वारा फैलती है।

यह वायरस मानव शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली पर हमला करके मानव रक्त में पाई जाने वाली श्वेत रक्त कणिकाओं को नष्ट करता है और धीरे-धीरे ऐसे व्यक्ति के शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता पूरी तरह नष्ट हो जाती है। यही स्थिति 'एड्स' कहलाती है। अगर एड्स के कारणों पर नजर डालें तो मानव शरीर में एचआईवी का वायरस फैलने का मुख्य कारण हालांकि असुरक्षित सेक्स तथा अधिक पार्टनरों के साथ शारीरिक संबंध बनाना ही है लेकिन कई बार कुछ अन्य कारण भी एचआईवी संक्रमण के लिए जिम्मेदार होते हैं। शारीरिक संबंधों द्वारा 70-80 फीसदी, संक्रमित इंजेक्शन या सुईयों द्वारा 5-10 फीसदी, संक्रमित रक्त उत्पादों के आदान-प्रदान की प्रक्रिया के जरिये 3-5 फीसदी तथा गर्भवती मां के जरिये बच्चे को 5-10 फीसदी तक एचआईवी संक्रमण की संभावना रहती है।

डब्ल्यूएचओ तथा भारत सरकार के सतत प्रयासों के चलते हालांकि एचआईवी संक्रमण तथा एड्स के संबंध में जागरूकता बढ़ाने के अभियानों का कुछ असर दिखा है और संक्रमण दर घटी है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत में 2010 से अभी तक एचआईवी संक्रमण की दर में 40 प्रतिशत से ज्यादा की कमी आई है। फिर भी भारत में एड्स के प्रसार के कारणों में आज भी सरकारी व गैर सरकारी स्तर पर स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता एवं जिम्मेदारी का अभाव, अशिक्षा, निर्धनता, अज्ञानता और बेरोजगारी प्रमुख कारण हैं। अधिकांशतः लोग एड्स के लक्षण उभरने पर भी बदनामी के डर से न केवल एच.आई.वी. परीक्षण कराने से कतराते हैं बल्कि एचआईवी संक्रमित किसी व्यक्ति की पहचान होने पर उससे होने वाला व्यवहार तो बहुत चिंतनीय एवं निंदनीय होता है। इस दिशा में लोगों में जागरूकता पैदा करने के संबंध में सरकारी अथवा गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा भले ही कितने भी दावे किए जाएं पर एड्स पीड़ितों के साथ भेदभाव के सामने आने वाले मामले विभिन्न राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटियों एवं सरकारी तथा गैर सरकारी प्रयासों की पोल खोलते नजर आते हैं। देशभर में ऐसे बहुत से एचआईवी संक्रमित व्यक्ति और उनके परिवार हैं, जिन्हें एचआईवी संक्रमण का खुलासा होने के बाद समाज और अपने ही लोग हिकारत भरी नजरों से देखते थे।

वास्तविकता यही है कि लोगों में एड्स के संबंध में जागरूकता पैदा करने के लिए उस स्तर पर प्रयास नहीं हो रहे, जिस स्तर पर होने चाहिएं। लोगों को जागरूक करने के लिए हमारी भूमिका अभी भी सिर्फ चंद पोस्टर चिपकाने और टीवी चैनलों या पत्र-पत्रिकाओं में कुछ विज्ञापन प्रसारित-प्रकाशित कराने तक ही सीमित है और शायद यही कारण है कि 21वीं सदी में जी रहे भारत के बहुत से पिछड़े ग्रामीण अंचलों में खासतौर से महिलाओं ने तो एचआईवी संक्रमण जैसे शब्द के बारे में कभी सुना तक नहीं। तमाम प्रचार-प्रसार के बावजूद आज भी बहुत से लोग इसे छूआछूत की बीमारी ही मानते हैं और इसीलिए वे ऐसे रोगी के पास जाने से भी घबराते हैं। तमाम दावों के बावजूद आज भी समाज में एड्स रोगियों को बहुत सी जगहों पर तिरस्कृत नजरों से ही देखा जाता है।

एड्स पर नियंत्रण पाने के लिए जरूरत है प्रत्येक गांव, शहर में इस संबंध में गोष्ठियां, नुक्कड़ नाटक, प्रदर्शनियां इत्यादि के आयोजनों की ताकि लोगों को सरल एवं मनोरंजक तरीकों से ही इसके बारे में पूरी जानकारी मिल सके। एड्स जैसे विषयों पर सार्वजनिक चर्चा करने से बचने की प्रवृत्ति तथा एड्स पीड़ितों के प्रति बेरूखी व संवेदनहीनता की प्रवृत्ति अब हमें त्यागनी ही होगी। इसके अलावा प्रचार एवं प्रसार माध्यमों को भी इस दिशा में अहम भूमिका निभानी होगी। विश्व भर में एड्स की महामारी पर अंकुश लगाने के लिए लोगों को सुरक्षित सैक्स एवं अन्य आवश्यक सावधानियों के लिए भी प्रेरित करना होगा।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

ड्रग्स का कारोबार बिना रोक टोक जारी

आए दिन देश में ऐसी अनेकों खबरें आती रहती हैं कि करोड़ों के मूल्य के नशीले पदार्थ पकड़े जाते हैं।इन पकड़ी गई ड्रग्स की मात्रा इतनी ज़्यादा होती है कि इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि ये ड्रग्स देश भर में वितरण के लिये ही आई हैं। पर ये कारोबार बिना रोक टोक जारी है। जबकि सिंगापुर में ड्रग्स के विरुद्ध इतना सख़्त क़ानून है कि वहाँ ड्रग्स को छूने से भी ये लोग डरते हैं।कुछ वर्ष पहले एक फ़िल्म आई थी उड़ता पंजाब', जिसमें दिखाया गया था कि प्रदेश सरकार की लापरवाही से पंजाब के घर-घर में मादक दवाओं का प्रयोग फैल गया है। जिसके चलते पंजाब कि पूरी युवा पीढ़ी तबाह हो रही है। जिनमें हर वर्ग के युवा शामिल हैं। ग़रीब-अमीर का कोई भेद नहीं। उस वक्त पंजाब में अकाली दल की सरकार थी, तो आम आदमी पार्टी ने सरकार को इस तबाही के लिए ज़िम्मेदार ठहराकर अपना चुनाव अभियान चलाया। इधर पिछले दस वर्षों से दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार है, पर क्या ये सरकार दावे से कह सकती है कि दिल्ली में मादक पदार्थों की बिक्री सारे आम नहीं हो रही...कुछ महीने पहले हरियाणा के सोनीपत में एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी स्थानीय डिग्री कॉलेज के छात्रों को नशीली दवाओं के सेवन के विरुद्ध भाषण दे रहे थे। तभी एक छात्र ने उनसे पूछा कि हमारे कॉलेज के

बाहर पान की दुकान पर नशीली दवाएँ रात-दिन बिकती हैं तो आपकी पुलिस क्या कर रही है? जब हर युवा को पता है कि उनके शहर में कहाँ-कहाँ नशीली दवाएँ बिकती हैं तो आपका पुलिस विभाग इतना नकारा कैसे है कि वो इन बेचनेवालों को पकड़ नहीं पाता। पुलिस अधिकारी निरुत्तर हो गये।मेरे एक पत्रकार मित्र ने 1996 में मुझे बताया था कि देश के एक प्रतिष्ठित औद्योगिक घराने के मुखिया के विरुद्ध मादक दवाएँ अवैध रूप से उत्पादन करने और अफग़ानिस्तान भेजने के आरोप पर उनकी जनहित याचिका सारे सबूतों के बावजूद दो दशकों से ठंडे बस्ते में पड़ी है। क्योंकि उस घराने के गहरे संबंध हर प्रमुख दल के बड़े नेताओं से हैं। सबको इस कांड का पता भी है। पर कोई कुछ नहीं करता।उधर पिछले कुछ वर्षों से गुजरात के एक पोर्ट से बार-बार भारी मात्रा में नशीली दवाएँ पकड़ी जा रही हैं। पर इसके पीछे कौन है वो सामने नहीं आ रहा। आए दिन देश में ऐसी अनेकों खबरें आती रहती हैं कि करोड़ों के मूल्य के नशीले पदार्थ पकड़े जाते हैं। इन पकड़ी गई ड्रग्स की मात्रा इतनी ज़्यादा होती है कि इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि ये ड्रग्स देश भर में वितरण के लिये ही आई हैं। पर ये कारोबार बिना रोक टोक जारी है। जबकि सिंगापुर में ड्रग्स के विरुद्ध इतना सख़्त क़ानून है कि वहाँ ड्रग्स को छूने से भी ये लोग डरते हैं। क्योंकि पकड़े जाने पर सज़ा-ए-मौत मिलती है, बचने का कोई रास्ता नहीं। गृह मंत्रालय के आँकड़ों के अनुसार दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, भोपाल, अमृतसर और चेन्नई, यूपी के हापुड़ और गुजरात के अंकलेश्वर तक ड्रग्स तस्करों का नेटवर्क का भांडाफोड़ हुआ है। दूसरी तरफ़ दुनियाँ भर में दादागिरी दिखाने वाला अमेरिका जो ख़ुद को बहुत ताकतवर मानता है वहाँ ड्रग्स का खूब प्रचलन है।ज़ाहिर है ड्रग माफिया की पकड़ बहुत ऊँची है। यही हाल दुनियाँ के तमाम दूसरे देशों का है जहां इस कार्टल के विरुद्ध आवाज़ उठाने वालों को दबा दिया जाता है या ख़त्म कर दिया जाता है। चाहे वो व्यक्ति न्यायपालिका या सरकार के बड़े पद पर ही क्यों न हो।सब जानते हैं कि इन नशीली दवाओं के सेवन से लाखों घर तबाह हो जाते है। औरतें विधवा और बच्चे अनाथ हो जाते हैं। बड़े-बड़े घर के चिराग़ बुझ जाते हैं। पर कोई सरकार चाहें केंद्र की हो या प्रांतों की इसके खिलाफ़ कोई ठोस और प्रभावी कदम नहीं उठाती।

-विनीत नारायण-

योग की माया निरोगी काया

संजीव ठाकुर,
रायपुर छत्तीसगढ़

रोगमुक्त जीवन के लिए योग अद्भुत विधा।

योग स्वयं के माध्यम से स्वयं की यात्रा है। अर्वाचीन भारतीय दर्शन शास्त्र की पाठशाला में एक महत्वपूर्ण एवं अद्भुत पाठशाला योग भी है। योग शब्द मूलतः संस्कृत की भाषा से उपजा शब्द है। योग शब्द की उत्पत्ति संस्कृत के शब्द युज,से हुई है इसके दो अर्थ है पहला अर्थ जोड़ना तथा दूसरा बहुत ही वृहद व्यापक शब्द अनुशासन है। योग से उसके अभ्यास के कारण शरीर तथा मस्तिष्क में एक सामंजस्य और संबंध बन जाता है, जिससे मस्तिष्क शांत तथा अनुशासित रहता हैं। यह व्यायाम का ही एक अंग है,जिससे शरीर तथा मन नियंत्रित रह कर जीवन को परिस्थितियों के अनुकूल एवं सफल बनाता है। योग स्वस्थ जीवन जीने का एक विज्ञान है। यह एक प्रकार की यौगिक औषधि है, वह हमारे शरीर के काम करने के तरीकों को धीरे-धीरे बेहतर कर शिथिल अंगों को स्वयं हल्के हल्के ठीक कर देता है।

निरोगी काया श्रेष्ठ जीवन का वरदान होती है। यदि आप निरोगी और स्वस्थ हैं तो आप सफलतम व्यक्ति बन सकते हैं धन लिप्सा आकांक्षा लालच से योग मुक्त कर एक खुशनुमा जीवन जीने की जीजिविषा तथा जुजुस्ता पैदा करता है। योग जीवन की एक कला है जो वर्तमान परिवेश में और भौतिक जगत में अत्यंत प्रासंगिक भी है। योग हमें शारीरिक तथा मानसिक रूप से स्वस्थ रखने का एक सशक्त माध्यम है हम सबको, आपको लगता है कि आज के आधुनिक जीवन में हमें एक बहुत अस्त व्यस्त तथा मानसिक असंतुलन वाली जीवन शैली मिली है। यह सभी अनियमित भोजन की आदतों, अभाव या अनुचित नींद या लंबे समय तक कठोर श्रम करने के कारण प्राप्त हुई है। नई पीढ़ी के बच्चे, युवा स्वस्थ जीवन शक्ति सार्वजनिक लचीलापन ऊर्जा और रोगों के लिए प्रतिरोधात्मक क्षमता की खोज में लगे हुए है,और सही सहीं माना जाए तो इन सब का जवाब योग अभ्यास में ही है।

योग के आसन प्राणायाम और ध्यान से संयमित शरीर और आत्मा के साथ संतुलित जीवन शैली को प्राप्त किया जा सकता है। और इस जीवन में हम अपने को शक्तिवान,ऊर्जावान महसूस करने लगते हैं। योगाभ्यास के जरिए न केवल बीमारियों से छुटकारा पाया जा सकता है बल्कि स्वयं के अंदर एक नई ऊर्जा का संचार भी किया जा सकता है। अपने बेडौल शरीर को भी योग अभ्यास के जरिए सही आकार में लाने का यह सर्वाधिक सुरक्षित आसान और कारगर तथा लागत विहीन जरिया है। योग्य के वैसे तो कर्म योग, भक्ति योग,ज्ञान योग, राजयोग और हठयोग भी अलग-अलग विभेद हैं, पर सभी पांचों योगों के अलग-अलग तरीके तथा अलग-अलग फायदे हैं।

कर्म योग सदैव दूसरों की सेवा के लिए प्रेरित करता है। और इसका मूल्य देश सामाजिक कल्याण यह समाज सेवा ही है। भक्ति योग हमें ईश्वर की साधना कैसे की जाए, यह पाठ पढ़ाता है । भक्ति योग मनुष्य के अंदर हृदय तथा मस्तिष्क को संतुलित कर एक सकारात्मक ऊर्जा की ओर प्रेरित करता है।भक्ति योग एक प्रकार का मानसिक योग है जिससे मन शांत रहकर सहिष्णुता की उत्पत्ति होती है, यह अहिंसक मार्ग की ओर प्रेरित करता है। ज्ञान योग बुद्धि के विकास एकाग्रता बढ़ाने तथा समाजिक ज्ञान विज्ञान की प्रेरणा देते एवं अध्ययन मनन में मनुष्य की सहायता करता है। राजयोग सर्वाधिक प्रचलित कथा लोकप्रिय योग है। यह योग की सबसे महत्वपूर्ण विधा है इसमें यम, नियम, आसन, प्राणायाम,प्रत्याहार धारणा और ध्यान या समाधि इसमें परम आनंद की प्राप्ति या मोक्ष प्राप्ति की विधाओं के बारे में विस्तृत वर्णन है। योग का इतिहास पांच सौ साल पुराना है। पश्चिमी देशों के लोगों का परिचय योग से तब हुआ जब स्वामी विवेकानंद ने अपने शिकागो की यात्रा के समय लोगों को योग के महत्व के बारे में व्यापक रूप से बताया था। इसके बाद पूरे विश्व में योग के प्रचार प्रसार के लिए कई योग गुरु ने अनथक प्रयास कर योग को विश्वव्यापी फलक पर विराजमान किया। पहली बार अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2015 को मनाया गया। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने इसकी पहल कर 27 सितंबर 2014 को संयुक्त राष्ट्र संघ की आम सभा में अपने भाषण में उल्लेख कर इसे प्रतिपादित किया। उन्होंने अपने भाषण में कहा था कि योग शारीरिक तथा मानसिक सामंजस्य का अद्भुत सहयोग तथा तरीका है। यह मनुष्य तथा प्रकृति के बीच का एक सामंजस्य स्थापित करने वाला अद्भुत से सेतु है। और तब 11 दिसंबर 2014 को संयुक्त राष्ट्र संघ में उसके 177 सदस्यों द्वारा 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाने की सहमति देकर इस प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की थी। इस प्रस्ताव को बहुत ही कम समय में मंजूरी प्रदान कर दी गई, जो कि संयुक्त राष्ट्र संघ के इतिहास की सबसे कम समय में दी गई मंजूरी थी। योग के वैसे तो अनगिनत फायदे हैं। और हम यह कह सकते हैं कि योगाभ्यास ईश्वर द्वारा मानव सभ्यता को दिया गया अप्रतिम उपहार है। योग किसी चमत्कार से कम नहीं।जिन असाध्य बीमारियों का वर्तमान चिकित्सा पद्धति से इलाज नहीं हो पाता,योग उन बीमारियों को शनै शनै उपचार कर ठीक कर देता है। यह शारीरिक मानसिक शांति ऊर्जा शक्ति तो देता ही है, साथ में हमें आत्म संयम, आत्मबल तथा आत्मज्ञान से भी रूबरू कराता है। योग बहुत ही आसान व्यायाम है,यह दैनिक क्रियाओं के साथ स्वस्थ शरीर और मन की क्रिया है। नाड़ी शोधन, कपालभाति, शीतली, अनुलोम विलोम जैसी क्रियाओं से शरीर में प्राण वायु की संतुलित मात्रा बढ़ती है, एवं स्नायु तंत्र मजबूत होता है। कोरोना संक्रमण काल मे कपालभाति,अनुलोम विलोम, नाड़ी शोधन शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ाने के कारगर उपायों में गिना जाता रहा है, और इसने मरीजों की बहुत मदद भी की है। योग से रोगों की तीव्रता कम हो जाती है, तथा कई रोगों से छुटकारा भी मिल जाता है।अतः आप सभी को योग दिवस की शुभकामनाएं स्वस्थ रहें मस्त रहें निरोगी रहें।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

धनपति का एजेंट बन धंधे दिलाने का राजधर्म

याद करें भारत में कौन सा राजा (सम्राट अशोक से लेकर पृथ्वीराज चौहान या मुस्लिम-अंग्रेज शासकों के कार्यकाल में), प्रधानमंत्री ऐसा हुआ, जिसने किसी उद्योगपति-व्यापारी की पैरोकारी को अपना राजधर्म बनाया? जवाब है कि ऐसा उदाहरण प्राचीन, मध्य और आधुनिक काल के किसी भी राजा, प्रधानमंत्री का नहीं है। क्यों? इसलिए क्योंकि राजनीति का उद्देश्य व कर्तव्य समाज के सभी वर्गों में संतुलन बनाने का है। राजा-प्रधानमंत्री कितना ही भ्रष्ट हुआ हो उसने किसी पर मेहरबान हो कर उसे लाइसेंस, कोटा दे कर क्रोनी पूंजीपति बनाया हो लेकिन राजा खुद धनपति का एजेंट बन कर उसे काम धंधे दिलाने को राजधर्म बनाए ऐसा एक भी उदाहरण भारत के इतिहास में नहीं है! आखिर राजा, राजा होता है, उसकी गरिमा पूरी नस्ल, कौम और देश की आन-बान-शान का प्रतीक होती है! चीन, रूस, अमेरिका, जापान आदि तमाम देशों की सरकारें देश की समृद्धि, व्यापार, वाणिज्य के लिए कूटनीति करती हैं, करार करती हैं, शी जिनफिंग, पुतिन जैसे तानाशाह शासक क्रोनी पूंजीपतियों का खेला भी बनाते हैं लेकिन क्या कभी सुना कि इनमें से किसी ने किसी चाइनीज या रूसी उद्योगपति की पैरोकारी को अपना राजधर्म बनाया है?अमेरिका घोषित पूंजीवादी देश है लेकिन उसका प्राथमिक धर्म सबको बराबर के अवसर मुहैया कराने का है। पूरी दुनिया में अमेरिकी कंपनियों का दबदबा और धंधा है लेकिन कंपनियां, अमेरिकी खरबपति अपने बूते, अपनी तकनीक, अपने प्रोडक्ट, अपनी सर्विस, अपनी उद्यमशीलता और कॉरपोरेट कायदों-नियमों से बने हुए हैं। सच्ची प्रतिस्पर्धा में बिजनेस करते हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले कार्यकाल में अमेरिकी मोटरसाइकिल कंपनी हार्ले-डेविडसन को ले कर भारत पर दबाव बनाया था तो उसका आधार भारत-अमेरिकी व्यापार नीति में कस्टम ड्यूटी की असमानताओं के हवाले था न कि उस कंपनी की निज पैरोकारी थी। शी जिनफिंग हों या पुतिन, इनके इतने वर्षों के शासन में वहां के किसी भी एक ऐसे उद्योगपति का नाम नहीं है, जैसे भारत में नरेंद्र मोदी से गौतम अडानी का बना है! जिन कंपनियों और उद्योगपतियों को लेकर चर्चा थी कि चाइनीज कम्युनिस्ट पार्टी से फलां-फलां की किस्मत बनी उनमें एक भी शी जिनफिंग या पुतिन के माई बाप उद्योगपति के रूप में दुनिया में चर्चित नहीं है! उलटे कभी जो ऐसे नाम सुने भी गए वे या तो जेल में (हां, चाइनीज खरबपति) है या गुमनामी में चले गए हैं क्यों? इसलिए क्योंकि राजा, राजा होता है वह कैसे भला किसी सेठ को अपनी व्यवस्था, शासन, राजधर्म का पर्याय बनने दे सकता है। मगर भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गौतम अडानी को अपने राजधर्म में, जब तक सूरज-चांद रहेगा तब तक अडानी का राज चलेगा वाली जो परिघटना रची है वह विश्व के इतिहास में अनहोनी है।और यह भारत का वैश्विक कलंक है! अमेरिका, यूरोप और वैश्विक वित्तीय जगत में अडानी ग्रूप की आज बदनामी का सत्य अपनी जगह है लेकिन क्या विश्वास करेंगे कि अफ्रीका के केन्या में भारत को लेकर क्या नैरेटिव बना हुआ है? बतौर भारतीय मेरे और आपके, 140 करोड़ लोगों के वजूद में केन्या में सुनाई दिए इस वाक्य पर जरा गौर करें- भ्रष्ट भारतीय आखरि़कार यहां आ ही गए। मुझे भरोसा नहीं हो रहा है कि ये सब हो रहा है। हमारे राष्ट्रपति जो केन्या से बहुत मोहब्बत करते हैं, उन्होंने 30 साल के लिए एयरपोर्ट अडानी को दे दिया है। अडानी सुन लीजिए अगर 2027 में हम राष्ट्रपति चुने गए तो आपको यहां से भागना होगा। हम भ्रष्टाचार से नफऱत करते हैं, इसलिए आपसे भी नफऱत करते हैं।उफ! यह भावना। तभी केन्या के राष्ट्रपति ने जब संसद में अडानी के ठेके को रद्द करने की घोषणा की तो सारे सांसदों ने खड़े हो कर ऐसे तालियां बजाई मानों कोई ऐतिहासिक काम हुआ हो, भ्रष्टाचार से आजादी मिली हो !क्या इसका यह मतलब नहीं है कि भारत अब भ्रष्टाचार एक्सपोर्ट कर रहा है! एक अदानी से दुनिया में भारतीय भ्रष्ट भारतीय' करार दिए जा रहे है और वैश्विक सुर्खियां है कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गौतम अडानी के धंधे को अपना राजधर्म बना रखा है। श्रीलंका हो, बांग्लादेश हो, ऑस्ट्रेलिया हो, अमेरिका हो या यूरोप और वैश्विक वित्तिय व्यवस्था में सर्वत्र गौतम अडानी की चर्चा है। उनके

साथ उनके बतौर प्रमोटर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नाम है! और अडानी का अर्थ क्या? भ्रष्ट भारतीय आखिरकार यहां आ ही गए।संघ परिवार और भाजपा की बुद्धि भले न माने कि भ्रष्ट भारतीय' की वैश्विक चर्चा भारत की भी बदनामी है। और तभी सोशल मीडिया पर यह देखने-सुनने में मिल रहा है कि अडानी भारत का राष्ट्र गौरव है तथा हिंदू आइडिया ऑफ इंडिया के जगत सेठ की बदनामी एक वैश्विक साजिश है। दुनिया जलीभुनी हुई है भारत के नवोदित खरबपति से! मतलब बुद्धि-विवेक को ताक पर रख कर राष्ट्रधर्म पर इस तरह विचार! तभी नामुमकिन नहीं है कि आने वाले समय में संघ परिवार के बौद्धिक यह साहित्य भी रचने लग जाएं कि इक्कीसवीं सदी हिंदुओं के महाराणा प्रताप और उनके भामाशाह गौतम अडानी की थी और इन्होंने दुनिया में पताका फहराते हुए कैसे-कैसे पापड़ बेले! बहरहाल, असल बात है इस इक्कीसवीं सदी में हम हिंदुओं के विवेक को यह क्या हुआ जो उनके शासन का राष्ट्रधर्म एक उद्योगपति के सरंक्षण व प्रमोशन का! ऐसा न रामजी, पांडवों के समय में था। न सम्राट अशोक या विक्रमादित्य या चंद्रगुप्त मौर्य व पृथ्वीराज चौहान के समय था। न ही अकबर, जहांगीर, अंग्रेज के दरबार में था तो न नेहरू, अटल बिहारी, मनमोहन सिंह के समय था।अभी एक फिनोमिना अमेरिका में इलॉन मस्क का होता हुआ है। अमेरिकी इतिहास में भी पहली बार है जो राष्टपति के अनुयायी के रूप में प्रशासन की भावी दशा-दिशा में मस्क अपना रोल बनाने की संभावना लिए हुए हैं। इससे अमेरिका के भीतर, पूरी पश्चिमी सभ्यता में चिंता और बहस है। कल ही गार्डियन' में यह पढने को मिला कि आधुनिक जर्मनी में सबसे लंबा शासन करने वाली पूर्व चासंलर एंजिला मर्केल ने अमेरिकी सरकार में इलॉन मस्क को ले कर भारी चिंता' जाहिर की। क्यों? इसलिए क्योंकि उनका मानना है कि राजनीति का उद्देश्य ताकतवर और सामान्य नागिरकों के मध्य सामाजिक संतुलन का शासन बनाना है। उनके अनुसार पश्चिमी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए डोनाल्ड ट्रंप को चुना जाना इसलिए चिंताजनक है क्योंकि उनके प्रशासन में बाहरी व्यक्ति (इलॉन मस्क) की भूमिका बनती लग रही है।मर्केल के अनुसार, 16 वर्षों के शासन अनुभवों ने उन्हें सिखाया है कि बिजनेस तथा राजनीतिक हितों में हमेशा फाइन बैलेंस रखना चाहिए। पिछली बार और इस दफा ट्रंप को ले कर फर्क यह है कि अब वे सिलिकॉन वैली की कंपनियों के साथ एलायंस बनाए दिख रहे हैं और यह ठीक नहीं है। जो व्यक्ति (इलॉन मस्क) अंतरिक्ष में घूमते 60 प्रतिशत सेटेलाइटों का मालिक है, वह निश्चित ही राजनीतिक मसलों में हम लोगों के लिए भारी चिंता का विषय होना चाहिए। राजनीति से ही सदैव तय होना चाहिए कि ताकतवर और सामान्य नागरिक में सही सामाजिक संतुलन रहे। सन् 2007-08 में वैश्विक वित्तीय संकट पैदा हुआ तो बतौर जर्मनी की चांसलर मैंने अपनी राजनीतिक वजूद की अंतिम ऑथोरिटी से ही चीजें ठीक की थी, नए नियमों व बेलआउट के फैसले किए। लेकिन यदि फाइनल ऑथोरिटी कंपनियों (फिर भले पूंजी की ताकत या तकनीकी ताकत वाली हो) से प्रभावित हुई तो यह भविष्य के लिए चुनौतीपूर्ण होगा। आजाद समाजों का एक बेंचमार्क है जो वे कॉरपोरेट पॉवर तथा अल्ट्रा रिच (खरबपतियों) के प्रभाव में नहीं हुआ करते। लोकतंत्र में कभी भी कंपनियों के आगे राजनीति शक्तिहीन नहीं होती'।ध्यान रहे जर्मनी पूंजी और तकनीक की श्रेष्ठता से विकसित देश है। वैसे ही जैसे जापान या अमेरिका (अभी तक तो), ऑस्ट्रेलिया आदि हैं। इन महाविकसित लोकतांत्रिक देशों में राजनीति और शासन कभी भी किसी क्रोनी पूंजीवादी की पैरोकारी में बदनाम नहीं हुए। आम नागरिक के समान ही वहां खरबपतियों की हैसियत है। किसी भी देश और प्रधानमंत्री का यह राजधर्म कभी नहीं हुआ जो वह दुनिया की राजधानियों में अपने चहेते उद्योगपति को ठेके दिलाए और फिर उस उद्योगपति से पूरा देश कलंकित हो। उद्योगपति आते-जाते रहते हैं तो कैसे कोई देश ऐसे नारे लगाएगा कि जब तक सूरज चांद रहेगा तब तक अडानी तेरा नाम रहेगा! लेकिन नरेंद्र मोदी ने गौतम अडानी का ऐसा पत्थर अपने गले और देश के गले में बांधा है कि केन्या, बांग्लादेश, श्रीलंका,ऑस्ट्रेलिया और दुनिया के पूंजी बाजारों में यह हल्ला बन गया है कि भ्रष्ट भारतीय आखिरकार यहां भी आ गया'!

-हरिशंकर व्यास-

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

कांग्रेस के चक्काजाम के बाद जर्जर एनएच पर बने गड्ढों के भरने का काम शुरू

- संवाददाता -
अंबिकापुर,30 नवम्बर 2024।
(घटती-घटना)।

अंबिकापुर से सिलफिली तक 20 मी एनएच-43 की सडक़ काफी र्ज है। पूरी सडक़ गड्ढें में तब्दिल हो गई । मार्ग पर लना मुश्किल हो रहा है। डक़ पर बने गड्ढों व उड़ रही धूल से ोग परेशान हैं। इस गंभीर समस्या को कर शनिवार की दोपहर 12 बजे ला कांग्रेस अध्यक्ष राकेश गुप्ता के तृत्व में चक्काजाम किया गया। क्काजाम किए जाने से दोनों ओर ालों की लंबी लाइन लग गई। राष्ट्रीय जमार्ग के एसडीओ धरना स्थल पहुंचे ौर अपनी बाते रखीं। उन्होंने बताया ोन साल पहले ही सडक़ नवीनीकरण का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है। राशि के अभाव में काम नहीं हो पा रहा है। विभाग सिर्फ गड्ढों को स्टोन डीएसटी से भराने की स्थिति में है। जिम्मेदार अधिकारियों के गैरजिम्मेदाराना जवाब से प्रदर्शन कारी बिफर पड़े। इस दौरान थोड़ी तनातनी भी हुई। जिपं उपाध्यक्ष आदित्येश्वर शरण सिंह ने साफ शब्दों में कहा जब तक काम शुरू नहीं होगा तब तक हम नहीं उठेंगे। इस बीच कार्यकर्ताओ ने मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री, सरकार और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। तनाव बढ़ता देख एसडीएम फगेश सिन्हा ने प्रशासन की तरफ से मोर्चा सम्भाला। उन्होंने कलेक्टर और एनएच के कार्यपालन अभियंता से फोन पर बात कर तत्काल

गड्ढों में जीएसबी मटेरियल भर कर पीचिंग का काम शुरू कराया। उन्होने 15 दिन में शहर की सभी एनएच और पीडब्ल्यूडी की सडक़ों का सुधार कार्य शुरु करने आश्वस्त किया।

काम शुरू न होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी

कांग्रेस की से जिला अध्यक्ष राकेश गुप्ता ने स्पष्ट किया है कि यदि 15 दिसम्बर तक सडक़ों का सुधार नहीं हुआ तो जिम्मेदार अधिकारियों का घेराव करेंगे। महापौर डॉ. अजय तिर्की, जिला पंचायत अध्यक्ष मधु सिंह, ननि लोनिवि प्रभारी शफी अहमद, सभापति अजय अग्रवाल, द्वितेंद्र मिश्रा ने कहा विष्णु देव साय की डबल इंजन की सरकार जान बूझ कर नगर निगम की सरकार को बदनाम करने के लिए सडक़ों का निर्माण नहीं कराया जा रहा है। उन्होंने कहा हम जनता को परेशान होता नही देख सकते। अगले चरण में और भी उग्र आंदोलन किया जाएगा। कांग्रेसियो के सडक़ पर उतरने से मनेन्द्रगढ़ मार्ग में सडक़ के दोनों तरफ गाडियों की लंबी कतार लगी रही। विरोध प्रदर्शन के दौरान शैलेन्द्र प्रताप सिंह, हेमन्त तिवारी, पार्षद प्रमोद चौधरी,गीता रजक, गीता श्रीवास्तव,वेद प्रकाश शर्मा बेदी, दिलीप धर,आलोक सिंह,नीतीश चौरसिया,सतीश बारी,हिमांशु जायसवाल,आशीष जायसवाल,कुसुम मिंज,विकास केशरी,आशीष शील, सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी कार्यकर्ता और शहरवासी मौजूद थे।

किसानों से धान खरीदी कम करना चाहती है प्रदेश सरकार:राकेश गुप्ता

- संवाददाता -
अंबिकापुर,30 नवम्बर 2024
(घटती-घटना)।

जिला कांग्रेस कमेटी ने धान खरीदी को लेकर प्रदेश सरकार पर षडयंत्र करने का आरोप लगाया है। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राकेश गुप्ता व जिला पंचायत उपाध्यक्ष आदित्येश्वरण शरण सिंह देव ने शनिवार को जिला कांग्रेस कार्यालय स्थित राजीव भवन में प्रेस वार्ता आयोजित कर कहा है कि प्रदेश सरकार की नई नीति से स्पष्ट है कि वह किसानों से धान खरीदी कम करना चाहती है। इस वर्ष 160 लाख मिट्रक टन धान खरीदी का लक्ष्य है। इसके लिए 14 नवंबर से 31 जनवारी 2025 तक का समय निर्धारित है। शनिवार, रविवार व सरकारी छुट्टियों को घटाकर मात्र 47 दिन ही मिले हैं। समय को देखते हुए प्रति दिन लगभग साढ़े 3 लाख मिट्रिक टन धा की

खरीदी करनी पड़ेगी तब जाकर लक्ष्य पूरा हो सकता है। वर्तमान में जिस रफ्तार से धान की खरीदी हो रही है लक्ष्य प्राप्त करना असंभव है। सोसायटी को निर्देश है कि एक दिन में अधिकतम 752 क्विंटल धान ही खरीदा जाना है। ऐसे में किसानों को शेष धान बेचने के लिए अगामी तिथि दी जा रही है। जिला कांग्रेस अध्यक्ष राकेश गुप्ता ने कहा है कि सरकार ने यह घोषणा किया है कि 72 घंटे में किसानों के खाते में पैसा आ जाएगा, लेकिन जो किसान 14 नवंबर को धान बेचे थे उनके खाते में आज तक रकम नहीं आया है। जो राशि किसानों के खाते में आ रहे हैं वह 31 सौ रुपए नहीं सिर्फ 23 सौ रुपए प्रति क्विंटल का आ रहा है। वहीं किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल की खरीदी सोसायटी द्वारा नहीं की जा रही है। सोसायटी द्वारा आज भी 16 क्विंटल प्रति एकड़ के हिसाब से ही खरीदी की जा रही है। इस संबंध में सोसायटी संचालकों का कहना है कि मेरे पास कोई लिखित आदेश इस संबंध में नहीं आया है। जिला कांग्रेस कमेटी ने 31 मार्च तक धान खरीदी किए जाने की मांग प्रदेश सरकार से की है। इनका कहना है कि 14 नवंबर से 31 जनवरी तक धान खरीदी का लक्ष्य पूर्ण संभाव नहीं है। इस लिए धान खरीदी 31 मार्च तक की जाए। ताकि किसान अपनी धान को असानी से बेच सकें। प्रेस वार्ता में बालकृष्ण पाठक, शफी अहमद, जेपी श्रीवास्तव, अमित सिंहदेव, आशिष वर्मा सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

40 नग नशीले इंजेक्शन के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,30 नवम्बर 2024
(घटती-घटना)।

गांधीनगर पुलिस ने प्रतिबंधित नशीले इंजेक्शन के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 40 नग प्रतिबंधित इंजेक्शन जब्त किया है जिसकी कीमत 40 हजार रुपए बताई जा रही है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

जानकारी के अनुसार 29 नवंबर को गांधीनगर पुलिस को मुखबिर से जानकारी मिली की भगवानपुर शराब भट्ठी के पास एक व्यक्ति पीपल पेड़ के पास काले रंगे के बैग में नशीले इंजेक्शन रखकर बेचने के लिए ग्राहक की तलाश कर रहा है। मुखबिर की सूचना पर गांधीनगर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस को देखकर संदेही भागने की कोशिश करने लगा। पुलिस ने उसे दौड़ाकर पकड़ा और उसकी तलाशी ली। उसके बैग से 40 नग प्रतिबंधित नशीले इंजेक्शन पाया किया। जिसे पुलिस ने जब्त किया जै। जब्त नशीले इंजेक्शन की कीमत 40 हजार रुपए बताई जा रही है। मामले मे पुलिस ने आरोपी शैलेन्द्र सिंह उर्फ रेम्बो उम्र 30 निवासी गांधीनगर हनुमान मंदिर के पास को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बीएनएच की धारा धारा 22 (सी) एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

सडक़ के अभाव में गांव तक नहीं पहुंच सका एंबुलेंस,कांवर में ढोकर लाया गया भर्गवती महिला को

- संवाददाता -
अंबिकापुर,30 नवम्बर 2024
(घटती-घटना)।

लखनपुर विकासखंड के ग्राम रकेला कुर्मेन बरढोडग़ा पारा में डक़ नहीं है। सडक़ के अभाव में ांव तक एंबुलेंस नहीं पहुंच सका। स स्थिति में एक गर्भवती महिला को ांवर पर ढोकर एंबुलेंस तक ले ाने का वीडिया शोसल मीडिया पर ायरल हो रहा है।

बिनी मझवार पति पारस मझवार माह की गर्भवती थी। शनिवार को सव पीड़ा शुरू हो गई। परिवार द्वारा बुलेंस को फोन किया गया। सूचना र एंबुलेंस ग्राम तिरकेला कुरमेन तक हुंची आगे सडक़ खराब होने के ारण बरढोडग़ा पारा तक नहीं पहुंच का। परिजन द्वारा गर्भवती महिला ो कांवर में टांगकर एंबुलेंस तक ाया गया। एंबुलेंस के माध्यम से र्भवती महिला को कुन्नी अस्पताल ाया गया। जहां गर्भवती महिला का सव कराया गया प्रसव के बाद

जच्चा-बच्चा दोनों स्वस्थ बताए जा रहे हैं। प्रसव हेतु गर्भवती महिला को कांवर में ले जाने का वीडियो सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रहा है।

क्रेडिट कार्ड जारी कराने व लिमिट बढ़ाने का झांसा देकर 85 हजार की ठगी

- संवाददाता -
अंबिकापुर,30 नवम्बर 2024।
(घटती-घटना)।

क्रेडिट कार्ड जारी कराने व लिमिट बढ़ाने का झांसा देकर एक युवक से 85 हजार 397 रुपए ऑनलाइन ठगी का मामला सामने आया है। युवक ने मामले की रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज कराई है। पुलिस अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार अमित गुप्ता पिता शिवकुमार गुप्ता ग्राम सलका थाना भटगांव का रहने वाला है। वह अंबिकापुर नमनाकला स्थित पंचदेव मंदिर के पास रहकर काम करता है। 25 नवंबर की शाम को एसबीआई का कर्मचारी बताकर एक युवती ने अमित गुप्ता के मोबाइल पर फोन किया था। वह क्रेडिट कार्ड जारी कराने व लिमिट बढ़ाने का झांसा दिया था। युवती के झांसे में आकर अमित तैयार हो गया। युवती ने इसके मोबाइल पर एक लिंक भेजा और लिंक के माध्यम से एक एप डाउंलोड कराया। क्रेडिट कार्ड का डिटेल डिटेल पूछी इसके बाद अमित के खाते से 85 हजार 397 रुपए दो बार में कट गए। वह मामले की रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज कराई है। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ धारा बीएनएस की धारा 318(4) के तहत रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

CGPSC 2023 में सफलता:

जया सिंह ठाकुर ने लखनपुर सहित पूरे सरगुजा को किया गौरवान्वित,गांव की बेटी बनी अधिकारी

» जया सिंह की इस सफलता ने न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे गाँव का मान बढ़ाया...

- संवाददाता -
लखनपुर,30 नवम्बर 2024
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ लोकसेवा आयोग 2023 का परीक्षा परिणाम जारी कर दिया गया है,कहते है सफलता हमेशा मेहनत करने वालों पर जान लूटा देती है। इसका उदाहरण बने हैं सरगुजा जिले के लखनपुर विकासखंड के अंधला (माझापारा) के रहने वाली जया सिंह ठाकुर जिन्होंने छत्तीसगढ़ लोकसेवा आयोग 2023 के परीक्षा परिणाम मे ,ऑल रेंक 359 आदिवासी एसटी रेंक 8 मे आकर उप पंजीयक सहकारी समिति मे चयनित हुए जिससे जिला,क्षेत्र, गाँव सहित माता पिता व परिवार का नाम रोशन किये, उनका प्रथमिकी शिक्षा पंडित नेहरू बाल मन्दिर लखनपुर मे की,इसके बाद मिडिल, हाई, व हायर सेकेंड्री की पढ़ाई जवाहर नवोदय विद्यालय बसदेई मे की।

जया सिंह ठाकुर के माता पिता शिक्षित है,उनके पिता फूलचंद सिंह पैकरा सरकारी स्कूल मे शिक्षक है, उनके माता श्रीमति मधुदण्डवती सिंह आंगनवाडी केन्द्र मे कार्यकर्ता है,वे छ भाई बहन है, उनकी बड़ी बहन प्रिया सिंह ठाकुर डाक्टर है व बहन हर्षलता सिंह ठाकुर डाक्टर व बाकी भाई,बहन सहित अन्य विषयों की पढ़ाई कर रहे हैं, जया सिंह ठाकुर की सफलता न केवल उनके परिवार का गर्व है, बल्कि यह संदेश भी देती है कि मेहनत और सही दिशा में प्रयास करने से कोई भी मुश्किल पार की जा सकती है।

मुख्यमंत्री ने चयनित युवाओं को दी बधाई

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सफल होने वाले अभ्यर्थियों को बधाई दी हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं के कंधे पर प्रदेश के विकास की महती जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री साय ने उम्मीद जताई कि राज्य सेवा परीक्षा में चयनित युवा शासकीय सेवा में आकर पूरी ईमानदारी से जनता की सेवा करेंगे। उन्होंने चयनित युवाओं को पूरी तन्मयता से कार्य करते हुए प्रदेश के विकास में अपना बहुमूल्य योगदान देने की अपील की है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल वृद्ध की मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर,30 नवम्बर 2024
(घटती-घटना)।

अज्ञात वाहन की टक्कर से एक द्ध गंभीर रूप से जखमी हो गया ा। परिजन उसे इलाज के लिए डिकल कॉलेज अस्पताल लाए। हां जांच के दौरान चिकित्सकों ने से मृत घोषित कर दिया। जानकारी अनुसार भैयालाल उम्र 65 वर्ष तापपुर थाना क्षेत्र के ग्राम गन्नाथपुर का रहने वाला था7 ह शुक्रवार की शाम को गांव में दुकान से सामान लेकर वापस र जा रहा था। तभी अज्ञात वाहन उसे टक्कर मार दी थी। र्घटना में वह गंभीर रूप से ख्मी हो गया था। परिजन उसे लाज के लिए मेडिकल कॉलेज स्पताल में भर्ती कराया। यहां ांच के दौरान चिकित्सकों ने से मृत घोषित कर दिया।

अमेरा खदान विस्तार को लेकर ग्रामीणों का विरोध प्रदर्शन सौंपा ज्ञापन

- संवाददाता -
लखनपुर,30 नवम्बर 2024
(घटती-घटना)।

सरगुजा जिले के अमेरा खुली खदान को लेकर लगातार ग्रामीणों को विरोध देखने को मिल रहा है। जहां एक ओर रात के अंधेरे में खदान के कर्मचारियों के द्वारा अमेरा खदान विस्तार को लेकर तालाब मेड को जेसीबी मशीन से खुदाई की गई। रात में ही ग्रामीणों को जानकारी होने पर तत्काल मौके पर पहुंचे और तालाब में खुदाई पर रोक लगाया वहीं मेरा खुली खदान विस्तार को लेकर धरना प्रदर्शन किया गया। जानकारी मिलने पर लखनपुर राजस्व अधिकारी मौके पर पहुंचे जहां ग्रामीण को समझाइए देते हुए किसी तरह मामला शांत कराया साथ ही ग्रामीणों ने नायब तहसीलदार उमेश तिवारी को ज्ञापन सौंप अमेरा खुली खदान विस्तार को लेकर रोक लगाई जाने की मांग की है। ग्रामीणों से मिली जानकारी के मुताबिक लखनपुर विकासखंड में अमेरा खुली खदान कई वर्षों से संचालित है। अमेरा खुली खदान के विस्तार हेतु ग्राम परसोडी कला, गुमगराकला कटकोना सहित अमेरा खदान से लगे ग्रामों में भूमि अधिग्रहण को लेकर ग्रामीणों से कई बार एसईसीएल अधिकारियों के द्वारा चर्चा की गई। ग्रामीणों ने अमेरा खुली

खदान को जमीन देने से साफ इनकार कर दिया है। वही रात के अंधेरे में सीसीएल के कर्मचारियों द्वारा 28 व 29 नवंबर की दरमियानि रात ग्राम परसोडी कला के निस्तारि तालाब के मेड को जेसीबी मशीन के माध्यम से खुदाई कर दी गई। जानकारी लगते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे इसके बाद सीसीएल के कर्मचारी मौके से फरार हो गए। रात के अंधेरे में जेसीबी मशीन से निस्तारी तालाब की मेड खुदाई को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। जिसे लेकर सैकड़ो की संख्या में ग्रामीणों ने अमेरा खुली खदान के विस्तार को लेकर धरना प्रदर्शन किया है। सूचना उपरांत नायब तहसीलदार उमेश तिवारी दलबल के साथ मौके पर पहुंचे जहां ग्रामीणों ने रात में हुई घटना के संबंध में जानकारी देते हुए ज्ञापन सौंप अमेरा खुली खदान के विस्तार पर रोक तथा खदान बंद कराने की मांग की है। प्रशासनिक अधिकारियों के समझाएं इसके बाद ग्रामीणों ने धरना प्रदर्शन समाप्त किया है। वही ग्रामीणों ने कहा कि अमेरा खुली खदान बंद नहीं होता तो आने वाले समय में आर पार की लड़ाई लड़ी जाएगी।

मैनपाट के रिसॉर्ट में युवती से बलात्कार,आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

- संवाददाता -
अंबिकापुर,30 नवम्बर 2024
(घटती-घटना)।

मैनपाट घुमने बुलाकर 25 नवंबर को युवती को रिसॉर्ट में लेजाकर युवक ने बलात्कार की घटना को अंजाम दिया है। पीड़िता ने मामले की रिपोर्ट कमलेश्वरपुर थाना में दर्ज कराई है। पीड़िता की रिपोर्ट पर पुलिस आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

विनोद केडिया जांजगीर अकलतरा का रहने वाला है। पूर्व मे इसकी जान पहचान रायपुर में एक युवती से हुई थी। दोनों एक दूसरे से अक्सर बात करते थे। विनोद केडिया युवती को मैनपाट घुनम बुलाया था। यहां 25 नवंबर को मैनपट के एक रिसॉर्ट में लेजाकर उसके साथ बलात्कार की घटना को अंजाम देकर फरार हो गया। पीड़िता ने मामले की रिपोर्ट कमलेश्वरपुर थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पीड़िता की रिपोर्ट पर पुलिस आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

ट्रंप बुद्धिमान मगर सुरक्षित नहीं
पुतिन बोले...अमेरिका में उनके साथ जैसा हुआ वैसा रूस में डाकू भी नहीं करते

मॉस्को,30 नवम्बर 2024। अमेरिका के अगले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सुरक्षित नहीं है। यह बयान रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने दिया है। पुतिन ने कहा कि ट्रंप एक बुद्धिमान व्यक्ति हैं। सतर्क हैं। मगर वे अब भी सुरक्षित नहीं हैं। पुतिन ने कहा कि पिछले कुछ समय में डोनाल्ड ट्रंप पर हर तरह के हमले किए गए हैं।

मुझे लगता है कि ट्रंप सब समझते हैं। पुतिन ने कहा कि अमेरिका में ट्रंप के साथ जैसा किया गया है, वैसा रूसी गैंगस्टर भी अपने दुश्मन के साथ नहीं करते हैं। रूस में अक्सर यह कहा जाता है कि दुश्मन के परिवार पर हमला नहीं करना है। मगर ट्रंप के मामले में उनके परिवार और बच्चों तक को निशाना बनाया गया।

कजाकिस्तान की अपनी राजकीय यात्रा के बाद पुतिन ने एक संबोधन में डोनाल्ड ट्रंप को बुद्धिमान और अनुभवी नेता बताया। जब पुतिन से पूछा गया कि मौजूदा बाइडन प्रशासन ने यूक्रेन को अमेरिकी मिसाइल इस्तेमाल करने की अनुमति दी है। क्या इसका असर ट्रंप प्रशासन से रिश्ते बनाने पर पड़ेगा? इस पर पुतिन ने कहा कि संभव है कि बाइडन प्रशासन भविष्य के लिए अतिरिक्त कठिनाइयों को पैदा करना चाहता हो। पुतिन ने कहा कि रूस आने वाले ट्रंप प्रशासन के साथ बातचीत को तैयार है। उन्होंने कहा कि जहां तक मैं कल्पना कर सकता हूं... नवनिर्वाचित राष्ट्रपति एक बुद्धिमान और पहले से ही काफी अनुभवी व्यक्ति हैं। मुझे लगता है कि वे इसका समाधान निकाल लेंगे।

ट्रंप अब भी सुरक्षित नहीं हैं

चुनाव के दौरान डोनाल्ड ट्रंप पर दो बार हमला हुआ। उनको जान से मारने की कोशिश की गई। अब पुतिन ने भी ट्रंप की सुरक्षा पर बड़ी बात कही। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि ट्रंप के खिलाफ संघर्ष के बिल्कुल असभ्य साधनों का इस्तेमाल किया गया। यहां तक ??कि उनकी हत्या का प्रयास भी किया गया। वैसे मेरी राय में वह (ट्रंप) अब भी सुरक्षित नहीं हैं।

डाकू भी नहीं अपनाते ऐसे तरीके

पुतिन ने कहा कि मुझे सबसे अधिक आश्चर्य तब हुआ जब अमेरिकी चुनाव अभियान के दौरान राजनीतिक विरोधियों ने ट्रंप के परिवार और बच्चों को निशाना बनाया। उन्होंने कहा कि रूस में तो डाकू भी ऐसे तरीके नहीं अपनाते हैं। डोनाल्ड ट्रंप की जीत के बाद अमेरिका मीडिया ने पुतिन के साथ बातचीत का दावा किया था। रिपोर्ट में कहा गया था कि चुनाव जीतने के बाद ट्रंप ने पुतिन से फोन पर बात की है। हालांकि बाद में रूस ने इन मीडिया रिपोर्ट्स का खंडन किया था।

अमेरिका से भारतीयों को बड़ा झटका
विदेशी छात्रों को 20 जनवरी से पहले लौटना होगा वापस...ट्रंप के शपथ लेने से पहले आदेश जारी

वाशिंगटन,30 नवम्बर 2024। अमेरिका के उच्च शिक्षण संस्थानों ने विदेशी छात्रों और कर्मचारियों को 20 जनवरी से पहले शीतकालीन अवकाश से लौटने की सलाह दी है। इस दिन डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेंगे।

ट्रंप ने पहले ही किया है एलान

मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी (एमआइटी) सहित अन्य विश्वविद्यालयों की ओर से यह सलाह ट्रंप प्रशासन की ओर से अवैध अप्रवासियों के बड़े पैमाने पर निर्वासन की चर्चा के कारण सामने आई है। अनुमान है कि देश में एक करोड़ से अधिक अवैध आप्रवासी हैं।

भारतीयों को सबसे ज्यादा नुकसान

इंटरनेशनल एजुकेशनल एक्सचेंज पर ओपन डोर्स रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका में 11 लाख अंतरराष्ट्रीय छात्र हैं। इनमें 330,000 के साथ सबसे बड़ी संख्या भारतीयों की है। हायर एड इमिग्रेशन पोर्टल का अनुमान है कि वर्तमान में 400,000 से अधिक ऐसे छात्र वर्तमान में अमेरिकी उच्च शिक्षा में नामांकित हैं, जो बिना उचित दस्तावेज के यहां रह रहे हैं।

वैध एफ वीजा वाले नहीं होंगे प्रभावित

एमआइटी की ओर से कहा गया कि जिनके पास वैध एफ वीजा है, उनके ट्रंप प्रशासन द्वारा किसी भी वीजा प्रतिबंध से प्रभावित होने की संभावना नहीं है। साथ ही बिना दस्तावेज वाले छात्रों के विदेश यात्रा की संभावना नहीं है।

2017 के ट्रंप प्रशासन के अनुभव को देखते हुए यह सतर्कता बरतने की सलाह दी जा रही है। ट्रंप प्रशासन ने 27 जनवरी 2017 को एक कार्यकारी आदेश जारी कर सात बहुसंख्यक मुस्लिम देशों के अप्रवासियों और गैर-आप्रवासी यात्रियों को 90 दिनों के लिए अमेरिका में प्रवेश से रोक दिया गया था।

कंडक्टर के सिर्फ चार मिनट के टॉयलेट ब्रेक ने लेट कराईं 125 ट्रेनें, सैकड़ों यात्रियों की बढ़ी मुसीबत

नई दिल्ली,30 नवम्बर 2024। दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल से एक हैरान करने वाली खबर सामने आई है। साउथ कोरिया के एक सबवे में काम करने वाले कंडक्टर का छोटा सा ब्रेक लेना ट्रेनें और यात्रियों पर भारी पड़ गया। ब्रेक के कारण 125 ट्रेनें 20 मिनट देरी से चली। कंडक्टर ने केवल कुछ ही मिनट का ब्रेक लिया था,लेकिन उसका टॉयलेट ब्रेक लेना यात्रियों के लिए महंगा पड़ गया।

कोरियन हेराल्ड की एक रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल में एक ट्रेन ऑपरेटर की तरफ से चार मिनट का टॉयलेट ब्रेक लेने के कारण कम से कम 125 ट्रेनें देरी से चलीं, जिससे सैकड़ों यात्रियों को अपने मंजिल पर पहुंचने में काफी परेशानी हुई। यह घटना सोमवार को स्थानीय समयानुसार सुबह लगभग 8 बजे सियोल की लाइन 2 पर हुई जब ट्रेन कंडक्टर, जो बाहरी लूप पर चल रहा था, एक स्टेशन पर तुरंत रुका। ट्रेन ऑपरेटर को लौटने में लगा वक्त कोरियन मीडिया ने बताया सियोल में जब इंजीनियर ट्रेन पर नजर रख रहा था, तब ऑपरेटर टॉयलेट तक पहुंचने के लिए प्लेटफॉर्म से नीचे भागा। टॉयलट दूसरी मंजिल पर होने के कारण ट्रेन ऑपरेटर को अपने केबिन में लौटने में 4 मिनट 16 सेकंड का समय लगा, जिससे डोमिनो पर प्रभाव पड़ा। सियोल मेट्रो के अनुसार, स्थिर ट्रेन के बाद आने वाली 125 ट्रेनों को पुनर्निर्धारित किया गया, जिनमें से कई अपने मूल निर्धारित आगमन समय से 20 मिनट या उससे अधिक की देरी से चलीं। आमतौर पर,सर्कुलर लाइनों पर कंडक्टर आमतौर पर बिना ब्रेक के दो से तीन घंटे तक काम करते हैं। हालांकि इमरजेंसी के लिए पोर्टेबल शौचालय रहते हैं, लेकिन स्टाफ सदस्यों को कभी-कभी प्लेटफार्म से दूर टॉयलेट में जाने के लिए मजबूर होना पड़ता है। 125 ट्रेनों को चलाने में हुई देरी इस कारण कोई ट्रेन रुकी नहीं, लेकिन 125 ट्रेनों को चलाने में देरी हुई।

पिछले साल की तुलना में 89 प्रतिशत बढ़ी धोखाधड़ी
FBI ने क्रोम, सफारी और ऐज यूजर्स के लिए जारी की चेतावनी

नई दिल्ली, 30 नवम्बर 2024। ब्लैक फ्राइडे के साथ छुट्टियों की खरीदारी की भीड़ शुरू होती है, ऐसे में ऑनलाइन घोटालेबाज से संबंधित मामलों में भी होती है। फोर्ब्स की एक रिपोर्ट से पता चला है कि पिछले साल की तुलना में धोखाधड़ी वाली वेबसाइटों में 89त्न की बढ़ोतरी हुई है, लगभग 80त्न शॉपिंग-संबंधित ईमेल को घोटाले के रूप में चिह्नित किया गया है। यहां तक ??कि त्तश्भद्द्यद्ग के सर्च रिजल्ट में भी हेरफेर किया गया है। फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) ने ऑनलाइन शॉपिंग करने वालों के लिए एक चेतावनी जारी की है, जिसमें ब्लैक फ्राइडे, साइबर मंडे और बाकी छुट्टियों के मौसम के दौरान इन घोटालों से खुद को बचाने के कदमों पर प्रकाश डाला गया है।

क्यों जारी किया अलर्ट

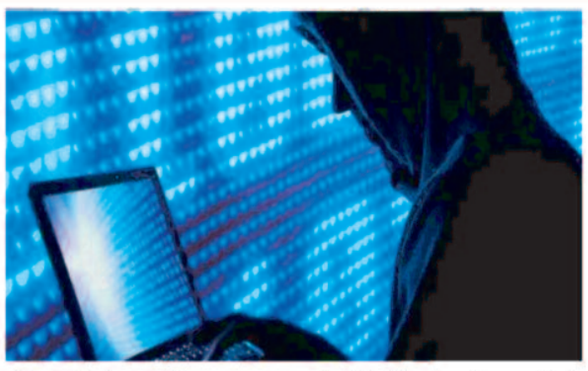

यह अलर्ट क्रोम,सफारी और एज जैसे लोकप्रिय वेब ब्राउजर के यूजर के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, जो अमेरिकी बाजार के 95त्न हिस्से पर हावी हैं। दुकानदारों से आग्रह किया जाता है कि वे सतर्क रहें और इन खतरों का शिकार होने से बचने के लिए सुरक्षा युक्तियों का पालन करें। जांच एजेंसी ने चेतावनी दी है कि छुट्टियों के मौसम में या साल के किसी भी समय ऑनलाइन खरीदारी करते समय हमेशा उन सौदों से सावधान रहें जो सच होने के लिए बहुत अच्छे लगते हैं। किसी घोटालेबाज का अगला शिकार न बनें। हर साल, हजारों लोग बनते हैं छुट्टियों के घोटालों के शिकार घोटालेबाज आपकी मेहनत की कमाई, व्यक्तिगत जानकारी और, कम से कम, उत्सव के मूड को लूट सकते हैं।

साइबर घोटालों में क्या है शामिल?

एफबीआई की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी बयान में एहतियाती उपायों के अनुसार, साइबर घोटालों में शामिल हैं-

गैर-डिलीवरी घोटाले, जहां आप ऑनलाइन मिलने वाली वस्तुओं या सेवाओं के लिए भुगतान करते हैं, लेकिन आपको अपना सामान का नहीं मिलता है।

गैर-भुगतान घोटाले, जहां आप खरीदे गए सामान या सेवाओं को शिप करते हैं, लेकिन आपको उनके लिए कभी भुगतान नहीं मिलता है।

नीलामी धोखाधड़ी, जहां आपके तरफ से खरीदा गया उत्पाद नीलामी स्थल पर गलत तरीके से प्रस्तुत किया गया था।

गिफ्ट कार्ड धोखाधड़ी, जहां एक विक्रेता आपसे प्री-पेड कार्ड से भुगतान करने के लिए कहता है।

इमरान खान के समर्थकों पर सख्त कार्रवाई के मूड में शहबाज, पाक पीएम ने टास्क फोर्स के गठन का दिया आदेश

इस्लामाबाद, 30 नवम्बर 2024। पाकिस्तान में इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा के मद्देनजर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कई अहम फैसले लिए। पाकिस्तान के प्रधान मंत्री शहबाज शरीफ ने इस्लामाबाद में इस हफ्ते की शुरुआत में पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) की रैली के दौरान हिंसा में शामिल लोगों को खोजने और उनके खिलाफ कार्रवाई करने के लिए एक समर्पित टास्क फोर्स गठित करने की घोषणा की।

पाकिस्तान में इमरान खान जेल में बंद हैं, इस वजह से उनके समर्थकों ने विरोध प्रदर्शन किया, विरोध प्रदर्शन के दौरान हिंसा फैली। अब इस सिलसिले में शहबाज सरकार ने कई फैसले लिए।

पाकिस्तान के आंतरिक मंत्री टास्क फोर्स की करेंगे अध्यक्षता

पाकिस्तान के आंतरिक मंत्री सैयद मोहसिन नकवी टास्क फोर्स की अध्यक्षता करेंगे, जिसमें आर्थिक मामलों के मंत्री अहद चीमा, सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार, कानून मंत्री आजम नजीर तरार और सुरक्षा बलों के प्रतिनिधि जैसे प्रमुख सदस्य शामिल हैं।

हिंसा तब भड़की जब 10,000 से अधिक पीटीआई प्रदर्शनकारियों ने सार्वजनिक सभा प्रतिबंध का उल्लंघन किया और सुरक्षा बलों के साथ संघर्ष करने के लिए शहर को बंद कर दिया। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, जवाब में, जब प्रदर्शनकारी बैरिकेड वाले डी-चौक के पास पहुंचे तो दंगा पुलिस ने आंसू गैस छोड़ी।

इस्लामाबाद में बढ़ा तनाव

झड़पों के बाद, पीटीआई नेतृत्व ने अपना नियोजित धरना रद्द कर दिया। हालांकि, इस उथल-पुथल ने इस्लामाबाद में राजनीतिक और सुरक्षा तनाव बढ़ा दिया है। अशांति के जवाब में, शहबाज शरीफ ने भविष्य के विरोधों को अधिक प्रभावी ढंग से संबोधित करने के लिए एक समर्पित बल बनाने की आवश्यकता बताई।

उम्मीद है कि टास्क फोर्स हिंसा के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई करेगी। रिपोर्ट के अनुसार, इसके अलावा, पाकिस्तान की संघीय सरकार एक संघीय दंगा-नियंत्रण बल भी बनाएगी, जो अंतरराष्ट्रीय मानकों के आधार पर उन्नत उपकरणों और ट्रेनिंग से सुसज्जित होगी।

वकील की हत्या मामले में नौ लोग गिरफ्तार, 46 के खिलाफ दर्ज किया गया था मुकदमा

ढाका,30 नवम्बर 2024। बांग्लादेश के चटगांव में वकील की हत्या के मामले में पुलिस से नौ लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से पूछताछ की जा रही है। वहीं वकील के पिता की शिकायत पर 46 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। बताया जाता है कि गिरफ्तार किए गए लोगों में से अधिकतर अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के सफाई कर्मचारी थे।

दरअसल बांग्लादेश में इस्कॉन के नेता चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी के विरोध में जगह-जगह प्रदर्शन हुए थे। इस दौरान मंगलवार को चटगांव में चिन्मय कृष्ण दास के समर्थकों और सुरक्षाकर्मियों के बीच झड़प के दौरान सहायक लोक अभियोजक और चटगांव बार एसोसिएशन के सदस्य अधिवक्ता सैफुल इस्लाम आरिफ (30) की हत्या कर दी गई थी।

चटगांव के कोतवाली प्रभारी अधिकारी अब्दुल करीम ने कहाकि सैफुल इस्लाम के पिता ने कल रात 46 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। अधिकतर आरोपी शहर की सेबोक कॉलोनी के निवासी हैं, जो हिंदू समुदाय के सफाई कर्मचारियों का केंद्र है। नौ आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है तथा अन्य की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

उन्होंने कहा कि आरोपियों की पहचान अदालत परिसर के सीसीटीवी फुटेज के जरिये की गई। चंदन दास नामक व्यक्ति मुख्य आरोपी है। जो सीसीटीवी में वकील पर धारदार हथियार से हमला करते नजर आ रहा है। वकील की हत्या के बाद देश भर में आक्रोश फैल गया। वकील और राजनीतिक दल सड़कों पर उतर आए। उन्होंने वकील इस्लाम के हत्यारों के खिलाफ कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की मांग की। जबकि कुछ ने कहा कि इस्कॉन बांग्लादेश पर प्रतिबंध लगाया जाए।

विद्रोही गुटों के खिलाफ लड़ाई में सीरियाई सरकार को जारी रहेगा समर्थनः ईरान

तेहरान,30 नवम्बर 2024। तेहरान ने कट्टरपंथी विद्रोहियों के खिलाफ सीरियाई सरकार को अपना समर्थन जारी रखने का वादा किया है। ईरान के विदेश मंत्री सईद अब्बास अराघची ने अपने सीरियाई समकक्ष बासम सब्बाग के साथ फोन पर बातचीत के दौरान यह आश्वासन दिया। ईरान के सरकारी आईआरआईबी टीवी ने बताया कि दोनों मंत्रियों ने सीरिया के नवीनतम घटनाक्रम पर चर्चा की।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, शुक्रवार को बातचीत के दौरान, अराघची ने लेबनान और फिलिस्तीन में असफलताओं के बाद सीरिया में आतंकवादी समूहों के फिर से एक्टिव होने की निंदा की और इसे अमेरिका-इजरायल का 'प्लान' बताया। अराघची ने कहा कि ईरान क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता की रक्षा के लिए आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में सीरियाई राष्ट्र, सरकार और सेना का समर्थन करना जारी रखेगा।

वहीं सब्बाग ने कहा कि सीरियाई राष्ट्र और सरकार अपनी रक्षा के लिए पूरी कोशिश करेंगे और हमेशा की तरह आतंकवादियों और उनके समर्थकों की कोशिशों को नाकाम कर देंगे।

हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस) विद्रोही ग्रुपी और उसके सहयोगी गुटों ने बुधवार से अलेप्पो और इदलिब प्रांतों में सीरियाई सैन्य ठिकानों पर एक बड़े पैमाने पर हमले कर रहे हैं। इसके चलते दर्जनों लोग मारे गए हैं, जिनमें ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स का एक वरिष्ठ सदस्य भी शामिल है। विद्रोही गुप्स ने कई शहरों पर कब्जा कर लिया है।

बांग्लादेश में Iskcon पर नई मुसीबत, यूनुस सरकार ने चिन्मय दास समेत 17 लोगों के बैंक खाते किए फ्रीज

नई दिल्ली, 30 नवम्बर 2024। बांग्लादेश में इस्कॉन के पूर्व प्रमुख चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी और हिंदुओं पर बढ़ते अत्याचारों के बीच एक और बड़ी खबर सामने आई है। इस बीच 17 लोगों के बैंक खातों को 30 दिनों के लिए फ्रीज कर दिया गया है। वित्तीय अधिकारियों ने इस्कॉन के पूर्व सदस्य चिन्मय कृष्ण दास सहित इस धार्मिक संस्था से संबद्ध 17 लोगों के बैंक खातों से लेन-देन पर 30 दिन के लिए रोक लगाने का आदेश दिया है।

यह कदम बांग्लादेश हाईकोर्ट की तरफ से हिंदू नेता के समर्थकों और सुरक्षा कर्मियों के बीच झड़प में एक वकील की हत्या के बाद इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर कृष्णा कॉन्शसनेस (इस्कॉन) पर बैन लगाने की मांग वाली याचिका को खारिज करने के बाद आया है।

एक महीने के लिए किया सील

समाचार पत्र प्रोथोम अलो के मुताबिक, बांग्लादेश वित्तीय खुफिया इकाई (बीएफआईयू) ने गुरुवार को विभिन्न बैंकों और वित्तीय संस्थानों को ये निर्देश भेजे, जिसमें इन खातों से संबंधित सभी प्रकार के लेनदेन को एक महीने के लिए निलंबित कर दिया गया।

केंद्रीय बांग्लादेश बैंक के तहत वित्तीय खुफिया एजेंसी ने बैंकों और वित्तीय संस्थानों को अगले तीन कार्य दिवसों के भीतर इन 17 व्यक्तियों के स्वामित्व वाले सभी व्यवसायों से संबंधित खातों के लेनदेन से संबंधित जानकारी भेजने के लिए कहा है।

19 लोगों के खिलाफ राजद्रोह का मामला दर्ज

30 अक्टूबर को, हिंदू समुदाय की एक रैली के दौरान चटोग्राम के न्यू मार्केट इलाके में बांग्लादेश के राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करने का आरोप लगाते हुए, चट्टोग्राम के कोतवाली पुलिस स्टेशन में दास सहित 19 लोगों के खिलाफ राजद्रोह का मामला दर्ज किया गया था।

अशफ़ाक उल्ला की गिरफ्तारी के बाद शिकायतकर्ताओं की लगी लाइन

30 नवंबर को सूरजपुर थाने में अशफ़ाक उल्ला व उसके पिता सहित संबंधियों के विरुद्ध शिकायत करने पहुंचे कई लोग

-ओमकार पाण्डेय-
सुरजपुर,30 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

सूरजपुर अशफाक उल्ला व उसके पिता जरीफुल्ला की पुलिस ने ठगी के मामले में गिरफ्तारी कर ली है, जिसके बाद अब शिकायतकर्ताओं की भीड़ उमड़ पड़ी है, अशफ़ाक उल्ला व उसके पिता की गिरफ्तारी 27 नवंबर को हुई थी और 30 नवंबर को कई सारे शिकायतकर्ता सूरजपुर थाने में आकर अशफाक उल्ला के विरुद्ध शिकायत दर्ज कराने पहुचे,शिकायतकर्ताओं की शिकायत को देखकर सूरजपुर की पुलिस भी हक्का-बक्का रह गई,उन्हें भी यह उम्मीद नहीं थी कि इन दोनों की गिरफ्तारी के बाद ऐसे शिकायतकर्ता थाने आएंगे और ठगी की शिकायत दर्ज करायंगे,पुलिस भी सभी शिकायतों को लेते गई और अब देखना यह है कि पुलिस सारे शिकायतों पर किस तरह से कार्रवाई करती है? वही अशफाक उल्ला पूरे मामले को लेकर रिमांड पर है और पुलिस भी इस मामले को गंभीरता से जांच कर रही है, शिकायतकर्ताओं की बढ़ती शिकायत के बाद पुलिस का सर दर्द और बढ़ गया है, पुलिस से कोई चूक ना हो जाए इसलिए पुलिस भी फूक फूक कर कदम उठा रही है, वहीं पुलिस भी समझ चुकी है कि यह मामला अब करोड़ों का हो चुका है। 30 नवंबर सूरजपुर पुलिस के लिए काफी अहम दिन माना जाएगा, क्योंकि जिस प्रकार से शिकायतकर्ता थाने में आकर अशफाक द्वारा किए गए धोखाधड़ी की व्यथा बता रहे थे पुलिस भी अपना माथा पकड़ बैठी थी कि आखिर इस 23 साल के लड़के ने कैसे इतने लोगों को ठगा है, देर शाम तक पांच शिकायतकर्ताओं की शिकायत घटती घटना को लगी, वहीं सूत्रों का कहना है की तकरीबन 30 से 40 शिकायतें हुई हैं वही शिकायतकर्ताओ की उम्मीद अब पुलिस पर आकर टिक गई है।

30 नवंबर को 15 लोगों कि आई ठगी की शिकायत जिसकी रकम है 1 करोड़ 6 लाख

क्रमांक	नाम पता आवेदक	राशि
01	अनवर मोमीन पिता इमान उल्ला सा0 भवराही थाना सूरजपुर	10,00,000/-
02	जमीलुददीन पिता जसीमुददीन सा0 विशुनपुर थाना सूरजपुर	3,00,000/-
03	मो0 युनूस आ0 स्व0 मो0 कासिम ग्राम विशुनपुर थाना सूरजपुर	3,00,000/-
04	मो0 हारून रसीद पिता शाकीर मोहम्मद सा0 भवराही	8,00,000/-
05	सफीक मोहम्मद पिता अब्दूल रहमान सा0 भवराही थाना सूरजपुर	3,00,000/-
06.	इरसादूल अंसारी पिता सफीक अंसारी सा0 भवराही	8,50,000/-
07	हसनैन रजा पिता नियाज अहमद सा0 भवराही थाना सूरजपुर	10,00,000/-
08	रसीद मोहम्मद पिता मुसरसलीम सा0 भवराही थाना सूरजपुर	03,00,000/-
09	तेहरून निशा पति अज्जू रहमा सा0भवराही थाना सूरजपुर	14,00,000/-
10	अयुब मो0 सून्नी पिता जलिलुददन सा0 भवराही	05,00,000/-
11	अब्दूल हक पिता नफील उददीन सा0 भवराही	09,00,000/-
12	इरफान अंसारी पिता मुमताज हमम्मद स0 दतिमा थाना विश्रामपुर	13,00,000/-
13	कृष्ण कुमार सिंह आ0 प्रताप सिंह सा0 टेगनी थाना पटना	05,00,000/-
14	इरफान खान पिता सजजाद खान सा0 टेमनी थाना पटना	07,00,000/-
15	अवधेश चंद गुप्ता पिता राधेश्याम गुप्ता सा0 सोनपुर थाना सूरजपुर	05,00,000/-
	योग	1,06, 50,000

शिकायत नंबर 1

अनवर मोमीन,आ. अमान उल्ला, उम्र लगभग 36 वर्ष, निवासी ग्राम भवराही, पोस्ट गंगौटी, तहसील भैयाथान, जिला सूरजपुर (छग) के द्वारा असफाक उल्ला,जरीफ उल्ला, निवासी ग्राम सोनपुर, पोस्ट बंजा, तहसील भैयाथान, जिला सूरजपुर पर आरोप लगाते हुए कहा की कंपनी में जमा कराकर डबल राशि का धोखा धड़ी कर 10 लाख रूपये मुझे से हड़प लिए, अनावेदकगण के द्वारा आवेदक को उनके कंपनी में पैसा जमा कराये जाने हेतु प्रलोभन दिया गया की अगर आपके द्वारा हम लोगो के कंपनी में कम से कम 10,00000 (दस लाख) रूपये राशि जमा करोगे तो 60 दिवस के भीतर उसकी दुगनी राशि यानि 20 लाख रूपये आपको प्राप्त होगा, जिसमें आवेदक उनके झांसे में आकर 2 लाख रूपये दिनांक 26/04/2024 से कई किस्तो में दिनांक 28/04/2024 तक प्रदान किया गया है एवं 8 लाख रूपये कैस के रूप में गवाह हसनैन रजा, आ. नियाज अहमद, एवं नजिम रजा आ. जउवाद अली, के समक्ष दिया गया है, उक्त राशि की समय सीमा पूर्ण होने पर अपने दिये हुये मूलधन 10 लाख रूपये एवं लाभांश राशि 10 लाख रूपये की मांग किये जाने पर टाल-मटोल करता रहा और आवेदक को दो चार दिन समय की मांग करता रहा, जिस पर आवेदक विश्वास करके समय प्रदान करता रहा लेकिन अनावेदकगण के द्वारा कोई राशि वापस नही कि गई, और अनावेदकगण अपना ग्राम में स्थित रहायसी मकान को छोड़ कर पुरे परिवार सहित फरार हो गये जिससे आज दिनांक तक आवेदक को कोई राशि प्राप्त नहीं हो सकी है, आवेदक के द्वारा उक्त राशि छ0ग0 राज्य ग्रामिण बैंक शाखा शिवप्रसादनगर एंव बैंक ऑफ इंडिया शाखा सूरजपुर से ट्रासफर किया गया था, उक्त राशि जमीन विक्रिय कर और वाहन को बेच कर दिया गया था।

शिकायत नंबर 2

हसनैन रजा, आ0 निमाज अहमद, उम्र लगभग 37 वर्ष निवासी ग्राम भवराही, पोस्ट गगौटी, तहसील भैयाथान, जिला सूरजपुर के द्वारा अशफाक उल्ला, जरीफ उल्लानिवासी ग्राम सोनपुर, पोस्ट बंजा, तहसील भैयाथान, जिला सूरजपुर के विरुद्ध शिकायत कर आरोप लगया की अनावेदकगण के द्वारा आवेदक को उनके कंपनी में पैसा जमा कराये जाने हेतु प्रलोभन दिया गया की अगर आपके द्वारा हमलोगों के कंपनी में कम से कम 10 लाख रूपये राशि जमा करोगे तो 60 दिवस के भीतर उसकी दुगनी राशि यानि 20 लाख रूपये आपको प्राप्त होगा, उनके झांसे में आकर 7,50,000 (सात लाख पचास हजार) रूपये दिनांक 03/09/2023 से कई किस्तो में दिनांक 16/02/2024 तक प्रदान किया गया है एवं 2 लाख 50 हजार रूपये कैस के रूप में गवाह अमीर हमजा एवं मो. युसुफ के समक्ष दिया गया है, उक्त राशि की समय सीमा पूर्ण होने पर अपने दिये हुये मूलधन 10 दस लाख रूपये एवं लाभांश राशि 10 दस लाख रूपये की मांग किये जाने पर टाल-मटोल करता रहा और आवेदक को दो चार दिन समय की मांग करता रहा जिस पर आवेदक विश्वास करके समय प्रदान करता रहा लेकिन अनावेदकगण के द्वारा कोई राशि वापस नही कि गई, और अनावेदकगण अपना ग्राम में स्थित रहायसी मकान को छोड़ कर पुरे परिवार सहित फरार हो गये जिससे आज दिनांक तक आवेदक को कोई राशि प्राप्त नहीं हो सकी, है आवेदक के द्वारा उक्त राशि आईडीएफसी बैंक शाखा सूरजपुर से लोन निकालकर प्रदान किया गया था अब आवेदक के समक्ष उक्त लोन की राशि पटाने में असमर्थ एवं विवश हो गया है जिससे आवेदक परिवार के समक्ष हमेशा गमगीन एवं भय की जिन्दगी गुजार रहा है, और आवेदक के उपर बैंक का कर्ज दिन-प्रतिदिन बढ़ते जा रहा है, जिससे आवेदक के समक्ष भुखो मरने की समस्या उत्पन्न हो गई है। इसके संबंध में आवेदक के द्वारा स्वयं का शपथपत्र एवं बैंक का स्टेटमेंट आवेदन के साथ सलग्न किया गया।

शिकायत नंबर 3

रसीद मोहम्मद ने आरोप लगाते हुए कहा की जरीफ उल्ला मुझसे यह बोल कर 3 लाख रूपये की ठगी कर ली कि मै पैसा निवेश करता हूँ तो मुझे रखे हुए पैस दे दो, मैं शेयर मार्केट में निवेश कर के हर माह 10 प्रतिशत राशि दूंगा और मूलधन जमा रहेगा जब चाहो मुझसे पूरा पैसा वापस ले सकते हो। उसकी बात पर विश्वास करके मैं उसे 3 लाख रुपये दे दिया, लेकिन वह ना तो मुझे 10 प्रतिशत राशि ही हर माह दिया और न ही मुझे मेरा दिया हुआ रकम ही वापस किया।

शिकायत नंबर 4

मैं अधिवक्ता इबरान खान जिला एवं सत्र न्यायालय सूरजपुर अपने पक्षकार जमीलउददीन निवासी ग्राम बिशुनपुर, थाना सूरजपुर, तहसील रामानुजनगर, जिला सूरजपुर (छग0) की ओर से अधिकृत होकर उनके निर्देशानुसार आप प्रतिपक्ष को निम्न तथ्यों एवं प्रेषित करता हूँ यह कि मेरा वादार्थी एवं आप प्रतिपक्ष एक ही जाति समाज के पूर्व परिचित हैं। दोनो एक दूसरे को भलि भाँति जानते एवं पहचानते हैं, तथा एक दूसरे पर अटूट विश्वास भी करते थे। मेरा पक्षकार पेशे से प्राईवेट बीज कंपनी में वर्कर है तथा आप प्रतिपक्ष पेशे से केजीएन टेर्ड्स शिवप्रसादनगर का संचालक है। मेरे पक्षकार वादार्थी से 15 जनवरी 2024 को यह कहे कि मुझे अपने व्यवसाय केजीएन टेर्ड्स को आगे बढ़ाने हेतु रूपये की अत्यंत आवश्यकता है, मैं छः माह के अन्दर आपका पैसा वापस कर दूंगा मुझे आप-3 लाख रूपये उधार स्परूप दे दीजिये। चूंकि मेरे पक्षकार एवं आप प्रतिपक्ष आपस में परिचित थे तथा एक दूसरे पर विश्वास व सहयोग करते थे, इस कारण मेरे पक्षकार के द्वारा आप प्रतिपक्ष पर के द्वारा आप प्रतिस विश्वास करते हुये 3 लाख रूपये व्यवस्था कर उधार स्वरूप 21 जनवरी-2024 को नगद 3 लाख रूपये प्रदान किये, 3 लाख रूपये लेने के पश्चात 6 माह का समय बीतने के पश्चात जब मेरे पक्षकार के द्वारा आपको उधार में दी गई राशि की मांग किये जाने पर आपके द्वारा मेरे पक्षकार को अपने एचडीएफसी बैंक शाखा सूरजपुर का चेक कमांक 000073 राशि 3 लाख रूपए मेरे पक्षकार के नाम दिनांक 11/08/2024 को हस्ताक्षर कर प्रदान कर दिये, तथा कहा की माह अक्टूबर नवम्बर में मेरे खाते में पैस आ जयेगा आप कलेक्शन कर आहरित कर लेना इस के पश्चात आप प्रतिपक्ष के कहे अनुसार मेरे पक्षकार को आपके द्वारा दी गई चेक कमांक 000073 राशी 3 लाख रूपये के कलेक्शन हेतु अपने खाता क्रमांक 32107325251 भारतीय स्टेट बैंक शाखा सूरजपुर में दिनांक 04/11/2024 को जमा किया, जहाँ से भारतीय स्टेट बैंक शाखा सूरजपुर के कर्मचारी द्वारा इस आशय का पत्र दिया गया कि उक्त खाता में पर्याप्त राशि नहीं होने के कारण भुगतान नहीं किया जा सकता एवं दिनक को ही चेक के अनादित होने की लिखित सूचना चेक के साथ मेरे पक्षकार को दी गई है, यह कि मेरे पक्षकार को आप प्रतिपक्ष के द्वारा प्रदान किया गया उपरोक्त यह कि मेरे पक्षकार के पास है। आपके द्वारा जानबूझकर कि मेरे खाते में पर्याप्त निधि नहीं है, इसके पश्चात् भी मेरे पक्षकार को परेशान करने के नियत से उक्त प्रदत्त चेक प्रदान किया था, आपके द्वारा दी गई चेक के अनादरित होने की जानकारी मेरे पक्षकार के द्वारा आप प्रतिपक्षकार को फोन के माध्यम से दिये जाने का प्रयास किया गया, किन्तु आप प्रतिपक्षकार का मोबाईल नंबर बंद होने के कारण संपर्क नहीं हो सका। आप प्रतिपक्ष के द्वारा प्रदत्त उक्त चेक में अंकित राशि 3 लाख रूपये का भुगतान मेरे वादार्थी को करके अपना चेक मूलतः प्राप्त कर लेवें। अन्यथा यह माना जावेगा कि आप जान बूझकर चेकों के अनादरण का अपराध कारित कर मेरे पक्षकार के साथ धोखाधड़ी किये हैं। यह कि आपके द्वारा मेरे पक्षकार के प्रति धोखाधड़ी कर मानसिक रूप से प्रताड़ना देकर मेरे पक्षकार के साथ बी0एन0एस0एस0 की धारा-318 तथा लिखित परक्राम्य अधिनियम की धारा 138 के तहत दण्डनीय अपराध कारित किया गया है।

शिकायत नंबर 5

जमीलुद्दीन पिता जसीमुद्दीन, उम्र लगभग- 34 पर्व, जाति-मुसलमान, पैशा ङ्क सेल्स मैन हाईब्रीड धान निवासी ग्राम विमपुर, थाना-सूरजपुर, महकुब, असफाक, जरीफ उल्ला के द्वारा षडयंत्र पूर्वक धोका धड़ी करते हुए पैसा डबल करने का लालच व प्रलोभन देकर मुझसे 3 लाख रूपये की ठगी की गई, मैं पेशे से प्रायवेट कम्पनी धान बीज बजाज कम्पनी में कार्य करता हूँ। कि जनवरी 2023 में महनुब जो रिश्ते में मेरा भांचा है, मुझसे कहा कि मेरे गाँव का असफाक उल्ला व जरीफ जो पैसा लेकर डबल करते है, मामा आप भी पैसा लगा दिजिए, किन्तु में कहा कि मेरे पास पैसे नहीं है, तब महबूब ने कहा कि मैं भी पैसा लगाया हूँ, आप बैंक से लोन कर पैसे मुझे दे दीजिए, पैसे की गारण्टी मैरी है, पैसा डबाल के साथ हर माह 10 प्रतिशत का ब्याज भी दिलाऊँगा। महबूब ने मुझसे कहा कि असफाक व जरीफ बहुत से लोगों का पैसा लेकर डबल कर वापस दे रहे है। तीनो मिलकर मेरे साथ धौका-धड़ी करते हुये, मुझसे 3 लाख रूपये एचडीएफसी शाखा सूरजपुर से लोन स्वीवृत कराकर नगद लेए है। तथा पैसा लेने के बाद आज तकमुझे कोई पैसा नहीं दिये।

सुन्नी जामा मस्जिद हनफिया गौसिया, मनेन्द्रगढ़ का मतदान 16 जनवरी को

-संवाददाता-
एमसीबी,30 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ राज्य वक्फ बोर्ड, रायपुर के पत्र क्रमांक/ पंजीयन/ 1197/2024, 29 अक्टूबर 2024 के माध्यम से तहसीलदार एवं निर्वाचन अधिकारी मनेन्द्रगढ़ के पत्र क्रमांक/820/तह/निर्वा/2024, 29 नवंबर 2024 के तहत सुन्नी जामा मस्जिद हनफिया गौसिया सुन्नी रजाए मुस्तफा कमेटी, मनेन्द्रगढ़, जिला एमसीबी के लिए चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की गई है। चुनाव के लिए मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने का समय 9 दिसंबर 2024 से 20 दिसंबर 2024 तक रहेगा। यह कार्य प्रतिदिन सुबह 11 बजे से दोपहर 4 बजे तक किया जाएगा, जिसका स्थान शासकीय उच्चतर माध्यमिक कन्या शाला मनेन्द्रगढ़ (नीला ड्रेस) है। मतदाता सूची का प्रकाशन 23 दिसंबर 2024 को सुबह 11 बजे होगा, जो शासकीय उच्चतर माध्यमिक कन्या शाला मनेन्द्रगढ़ (नीला ड्रेस) में किया जाएगा। दावा-आपत्ति दर्ज कराने की प्रक्रिया 23 दिसंबर 2024 से 31 दिसंबर 2024 तक सुबह 11 बजे से दोपहर 4 बजे तक चलेगी। मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 2 जनवरी 2025 को सुन्नी जामा मस्जिद हनफिया गौसिया, सुन्नी रजाए मुस्तफा कमेटी, मनेन्द्रगढ़, जिला एमसीबी में किया जाएगा। नामांकन फार्म लेने और जमा करने की तिथि 3 जनवरी 2025 से 7 जनवरी 2025 तक सुबह 11 बजे से दोपहर 4 बजे तक निर्धारित की गई है। नाम वापसी की प्रक्रिया 8 जनवरी 2025 को सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक पूरी की जाएगी। स्कूटनी और चुनाव चिन्ह का आबंटन 9 जनवरी 2025 को सुबह 11 बजे से 12 बजे तक किया जाएगा। चुनाव का आयोजन 16 जनवरी 2025 को गुरुवार के दिन किया जाएगा। मतदान सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक मंगल भवन, मौहारापारा, मनेन्द्रगढ़ में होगा। सभी प्रकार के फार्म शासकीय उच्चतर माध्यमिक कन्या शाला मनेन्द्रगढ़ (नीला ड्रेस) से प्राप्त किए जा सकते हैं। फार्म का निर्धारित शुल्क 100 रुपये रखा गया है, जबकि उम्मीदवारों के लिए नामांकन शुल्क 5,000 रुपये निर्धारित है। निर्वाचन प्रक्रिया के सुचारू संचालन के लिए सभी आवेदकों और मतदाताओं को नियमानुसार कार्यवाही करने का अनुरोध किया गया है।

पहाड़ी कोरवा और पण्डो बसाहटों में आधार-आयुष्मान कार्ड शिविर का निरीक्षण

ग्रामीणों से बात कर शिविर का लाभ जरूर उठाने की अपील की,महिलाओं और बच्चों को वितरित किए गरम कपड़े

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,30 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

कलेक्टर श्री विलास भोसकर ने शनिवार को जिले के उदयपुर और लखनपुर में पहाड़ी कोरवा सहित पण्डो बसाहटों में निरीक्षण कर आधार-आयुष्मान कार्ड शिविर का जायजा लिया। कलेक्टर ने इस दौरान पुहपुटरा, बेलदगी, पुटा, सानीबर्रा और सोनतराई आदि गांवों का दौरा किया। उन्होंने शिविर में बुजुर्गों और महिलाओं से बात की और उनका हाल-चाल जाना। उन्होंने बढ़ती ठंड को देखते हुए गर्भवती एवं शिशुवती महिलाओं के साथ बुजुर्गों और बच्चों को गरम कपड़ों का भी वितरण किया। शिविर में पहुंचकर कलेक्टर ने आधार कार्ड एवं आयुष्मान कार्ड बनाए जाने की जानकारी ली और ग्रामीणों से भी अधिक से अधिक शिविर का लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने इस दौरान बुजुर्गों से बात की और उनके स्वास्थ्य जांच हेतु सीएमएचओ को आधार-आयुष्मान कार्ड शिविर के साथ स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने पात्र हितग्राहियों को मोतियाबिंद ऑपरेशन हेतु सूचीबद्ध करने के भी निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री नूतन कंवर, सीएमएचओ डॉ पीएस मार्को, एसडीएम श्री बनसिंह नेताम सहित खंड स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

बालाछापर के 76 वर्षीय धनेश्वरी सिंह और कोतबा के सुधनी बाई का बनाया गया आयुष्मान वय वंदना कार्ड

-संवाददाता-
जशपुरनगर,30 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना अंतर्गत समस्त 70 वर्ष एवं उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिकों को लाभ देने ''आयुष्मान वय वंदना'' का शुभारंभ हुआ है। योजना अंतर्गत 5 लाख तक निःशुल्क इलाज किए जाने का प्रावधान है। इसी तारम्य में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के मंशानुरूप जिले के सभी वरिष्ठ नागरिकों को योजना का लाभ दिए जाने हेतु सार्थक पहल किया जा रहा है। कलेक्टर श्री रोहित व्यास के निर्देशानुसार जिले के 44 स्वास्थ्य केंद्रों में आयुष्मान वय वंदना कार्ड बनाया जा रहा है। इसके साथ ही स्वास्थ्य विभाग के टीम द्वारा डोर-टू-डोर जार वृद्धजनों को आयुष्मान वय वंदना कार्ड बनाया जा रहा है। आयुष्मान वय वंदना योजना का लाभ देने के लिए जशपुर विकासखण्ड के बालाछापर निवासी 76 वर्षीय धनेश्वरी सिंह और कोतबा के सुधनी बाई का कार्ड बनाया गया।

किराना दुकान में चोरी का आरोपी पकड़ाया रंगे हाथ

-संवाददाता-
प्रतापपुर,30 नवम्बर 2024 (घटती-घटना)।

किराना दुकान में चोरी का आरोपी कयामुद्दीन अंसारी पिता स्व, रहबर 32 वर्षीय टुकुड़ाढ को दुकान संचालक ने रंगे हाथ चोरी कर चोरी का माल छुपाते हुए पकड़ा,

ज्ञात हो कि प्रतापपुर के कदमपारा स्थित थोक गर्ग इंटरप्राइजेज हरिशंकर गर्ग नाम का किराने का दुकान में लंबे समय से काम कर रहा युवक निकला चोर, रोजाना किराना दुकान से सामान की चोरी होने पर जब दुकानदार को इसकी भनक लगी तबसे कयामुद्दीन के ऊपर नजर गड़ाए हुए थे। उक्त नौकर ने लंबे समय से दुकान के कीमती सामान जैसे चीजों पर हाथ साफ करना प्रारंभ कर दिया था तथा सामान की चोरी कर वह दुकान के पीछे खेत में स्थित झाड़ियां में सामान को छुपा कर रखता था तथा रात होते समय चुपचाप जाकर सामान को बोरा में भरकर घर ले जाता था, चोरी किए गए कीमती सामानों को ग्राहक के माध्यम से प्रतापपुर के दुकानों में बेचा करता था। प्रतापपुर पुलिस ने बताया कि शक्ति से पूछ पांच करने पर आरोपी ने चोरी करना स्वीकार किया है जिसमें माल ब्रो सिगरेट, क्लासिक सीक्रेट ,तुलसी जर्दा, राज निवास गुटका, राजश्री, कलश तेल ,अचार ,विमल ,गुटका सहित कई प्रकार के सामानों की चोरी निरंतर निरंतर चोरी करना स्वीकार किया। चोरी करते वा चोरी के माल को छुपाते रंगे हाथ पकड़े जाने पर दुकानदार में उक्त चोर को पुलिस के हवाले कर दिया जहां पुलिस ने अपराध पंजीबद्ध करते हुए जांच प्रारंभ करते हुए भारतीय न्याय संहिता बि एन एश 2023 के तहत 306 अपराध कायम कर गिरफ्तारी कर कर जेल भेज दिया गया है। जिस पर थाना प्रभारी लक्ष्मण सिंह ने बताया कि मामले की जांच चल रही है और चोरी के समान को बेचे गए लोगों तक पुलिस तकदीर कर रही है।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग बलरामपुर,जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज,छ0ग0

पत्र क्रमांक/ /व.ले.लि./2024 बलरामपुर, दिनांक / /2024

निविदा निरस्तीकरण आदेश

निविदा सूचना क्रमांक 03/वले.लि./2024-25 दिनांक 16.09.2024 निविदा सिस्टम क्रमांक 158559 (प्रथम आमंत्रण) लावा जलाशय योजना के बांध पर आर.डी. 0 मी.से 680 मी. एवं स्पिल चैनल पर मिट्टी का कार्य एवं 02 नग हेड स्लूस बांयी तट नहर एवं दांयी तट नहर 01 नग (1 मीटर) फॉल कम वेस्ट वियर 03 नग शूट फॉल (5.40 मी.) का निर्माण तथा बांयी तट नहर के आर.डी. 0 मी. से 2820 मी. तक मिट्टी का कार्य साथ में 35 नग पक्की संरचनाओं का निर्माण एवं 25 नग डायरेक्ट आउटलेट का फिक्सिंग कार्य राशि रूपये 3040.02 लाख हेतु आमंत्रित निविदायें अपरिहार्य कारणों से निरस्त किया जाता है।
विज्ञापन क्रमांक G-242502539 & 242503036

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग बलरामपुर
जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज
बलरामपुर दिनांक 27/11/2024

जी0नं0 -242504218/3

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड-सूरजपुर,जिला सूरजपुर,छ0ग0

निविदा सूचना क्रमांक-04/व.ले.लि./का.अ./लो.स्वा.यां.खं./2024
सूरजपुर,दिनांक.28.11.2024

द्वितीय निविदा आमंत्रण सूचना

मुहरबंद निविदायें छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रतिशत दर पर प्रपत्र 'अ' पर प्रतिशत दर में छत्तीसगढ़ शासन लोक स्वास्थ्य यांतित्रकी विभाग छ0ग0 रायपुर के द्वारा दिनांक 01.07.2020 को जारी एस.ओ.आर. व निविदा आमंत्रण तिथि तक एसओआर में एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नालिखित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।

समूह क्र0	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत(लाख में)
1	जिला सूरजपुर के विकासखण्ड ओड़गी के ग्राम कुदरगढ़ में मॉ बागेश्वरी धाम में विजय कुंड से देवी धाम तक में जल प्रदाय कार्य सलंग्न शेड्यूल के अनुसार।	12.34

निविदा प्रपत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 17.12.2024 है एवं निविदा की अन्य शर्ते तथा कार्य की विस्तुत जानकारी अधोहस्ताक्षरकर्ता कार्यालय में कार्यालयीन समय में देखी जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड
सूरजपुर,छ0ग0

जी0नं0 -242504210/1

अशफाक व उसके पिता चढ़े पुलिस के हत्थे

अब संजीत की बारी

दूसरे ठग की कब होगी गिरफ्तारी?

सूरजपुर जिले में दो ठग थे एक जिला मुख्यालय का तो दूसरा शिवप्रसादनगर का... | **शेयर मार्केटिंग के आड़ में संजीत ने किया करोड़ की ठगी अब है फरार, पुलिस कब पहुंचेगी संजीत के द्वार?** | **क्या दो ठगों के चक्कर में इस तरह फंसे लोग की हो गए कंगाल?** | **क्या अपने महंगे शौक को पूरा लिए लोगों को ठगा दोनों ने?** | **शासकीय कर्मचारियों ने बैंक से कर्ज लेकर ठगों को सौंपा लाखों...नहीं पटा पा रहे अब बैंकों का वह कर्ज़**

सूरजपुर जिले के असफाक व संजीत ठगों की श्रेणी में आ चुके यह दावा हमारा नहीं निवेशकों का है...

ठगों ने कर्मचारियों से भी करवाया एक ठगी एक महीने में चार बैंकों से दिलवाया लोन

ठगों ने कर्मचारियों से भी करवाया ठगी का काम

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार ठगी करने वाले की सोच काफी ऊपर की है उन्होंने कर्मचारियों से पैसे निकलवाने के लिए एक महीने में ही कई बैंकों से कर्ज दिलवा दिया,वह कर्ज उन्होंने एक महीने में इसलिए दिलाया ताकि बैंक को सिविल में ना दिख सके की उनका लोन कहां कहां है,सिविल में कोई भी ऋण एक माह बाद दिखता है जिसका फायद उठा कर एक माह में कई बैंक से ऋण ले लिया गया, यह तरकीब के जरिए ठगों ने कर्मचारियों से ऋण कई बैंकों से निकलवाने लिए और कर्मचारियों को कर्ज दिला कर पैसे को अपने पास ले लिया, अब जब बैंक कर्ज के लिए कर्मचारी से पैसा वसूलना चाह रही है तो कर्मचारियों के पास पैसे ही नहीं है जितनी उनकी तनख्वाह है उससे ज्यादा का कर्ज़ का किस्त है अब कर्मचारी फस गए हैं कि करें तो करें क्या? शिकायत करें तो कैसे करें? क्या करें? उन्हें लग रहा है कि दबाव बना कर ही पैसे निकल जाए तो अच्छा है नहीं तो डूबना ही उन्हें मंजूर है, बैंकों के नोटिस कर्जदारों को पहुंचने लगे हैं और कर्जदारों में छटपटाहट भी होने लगी है, ठगों द्वारा दिए गए चेक भी बाउंस होने लगे हैं फिर भी इंतजार शिकायतों की ही है। फ्रॉड करने वाले को यह जानकारी पहले से थी कि किसी भी कर्ज का सिविल में दिखाने के लिए एक महीने लगता है जिसका फायदा उठाकर फ्रॉड ने कर्मचारियों से एक ही महीने में अलग-अलग बैंक से कर्ज दिलवा दिया और कर्ज के आए पैसे को अपने यहां निवेश करवा लिया। वैसे इस बात की सच्चाई की पुष्टि घटती घटना नहीं करता, वहीं यह यदि जांच होगी तभी पता चल सकेगा की क्या यह संभव हैं या ऐसा हुआ है की एक माह के भीतर एक कर्मचारी का कई बैंक से ऋण स्वीकृत हुआ है वह भी उसकी ऋण लेने की क्षमता से अधिक का ऋण।

संजीत ने कई बार बदला ऑफिस नाम

क्या संजीत अग्रवाल शेयर मार्केट के आड़ में लोगों को ठग रहा था? एक आलीशान ऑफिस बनाकर क्या लोगों को यह विश्वास दिला रहा था कि वह शेयर मार्केट में पैसा लगा रहा है पर सवाल यह भी है कि आखिर शेयर मार्केट में ऐसा कौन सा प्रॉफिट हो रहा था कि वह 20 प्रतिशत अपने निवेशकों को दे रहा था और जब उसको शेयर मार्केट में इतना प्रॉफिट हो रहा था तो फिर 2 महीने से फरार क्यों है यहां तक कि ऑफिस में भी 5 महीने से ताला लगा हुआ है सूत्रों का यह भी कहना है कि समय-समय पर ऑफिस का नाम भी बदलता था कई बार ऑफिस का नाम बदल चुका है अभी जो वर्तमान में उसके ऑफिस का नाम स्टॉक सॉल्यूशन रखा गया था जो अंबिकापुर में होली क्रॉस के सामने स्थित था।

-ओमकार पाण्डेय-
सुरजपुर,30 नवम्बर 2024
(घटती-घटना)।

दैनिक घटती-घटना ने 4 मार्च 2024 में ही बता दिया था की सूरजपुर के लोग ठगी के शिकार होंगे असफाक उल्लाह के हाथों, पर यह बात कोई मानने को तयार नही था आज जब लोगों को एहसास हो गया कि वह ठगी के शिकार हो गए हैं तो अब पुलिस के दरवाजे पहुंचने लगे हैं, वैसे तो सूरजपुर जिले में दो ठगों ने संभाग से कई सौ करोड़ रुपए ठग लिए हैं और ऐसे ऐसे लोगों को ठगा है उन्होंने जो कभी ठगे जाएंगे ऐसा कोई सोचा नहीं था। अब यह मामला पुलिस तक पहुंच चुका है, सूरजपुर जिले में ठगी के मामले में दो लोग काफी नाम कमा चुके थे पहला नाम था अशफ़ाक उल्ला का दूसरा नाम था संजीत अग्रवाल का दोनों के ही खिलाफ शिकायत दर्ज है, अशफ़ाक उल्ला तक बड़ी मुश्किल के बाद पुलिस पहुंची और गिरफ्तार की वही संजीत अभी भी पुलिस के हाथों से काफी दूर है, पुलिस के हाथ कब संजीव तक पहुंचाते हैं यह भी है देखने वाली बात होगी, अभी सूरजपुर पुलिस एक्शन में है और अब ऐसा उम्मीद लगाए जा रहा है कि संजीत तक भी पुलिस पहुंच सकती है, जब अशफाक व उसके पिता गिरफ्तार हो सकते हैं तो फिर संजीत भी गिरफ्तार हो सकता है, अब संजीत से ठगे जाने वाले भी पुलिस की तरफ भरोसे वाली निगाह बनाए रखे हैं कि संजीत भी गिरफ्तार हो जाए।

क्या ठगी के मामले में असफाक व संजीत ने नटवरलाल को पीछे छोड़ा

ठगी मामले में आज तक नटवरलाल को ही बादशाहत हासिल है क्योंकि वह ठगी के बाद भी न पकड़े जाने के लिए प्रसिद्ध था। अब सूरजपुर जिले के असफाक और संजीत भी नटवरलाल बनने की ओर अग्रसर थे, क्योंकि उन्हे यह आभास था की उन्हे कोई नहीं पकड़ सकता, क्योंकि कोई शिकायत ही नहीं करेगा और अपना पैसा वापस मिलेगा इस आस में वह बैठे रहेगे। वही ज्यादातर लोग जो दोनो से ठगी का शिकार हुए हैं वह इस इंतेजार में बैठे थे पर जैसे ही सब्र टुटा शिकायत की लाइन लग गई, एक की गिरफ्तारी भी हो गई, संजीत की गिरफ्तारी का इंतजार है।

संजीत ने कई बार बदला ऑफिस नाम

क्या संजीत अग्रवाल शेयर मार्केट के आड़ में लोगों को ठग रहा था? एक आलीशान ऑफिस बनाकर क्या लोगों को यह विश्वास दिला रहा था कि वह शेयर मार्केट में पैसा लगा रहा है पर सवाल यह भी है कि आखिर शेयर मार्केट में ऐसा कौन सा प्रॉफिट हो रहा था कि वह 20 प्रतिशत अपने निवेशकों को दे रहा था और जब उसको शेयर मार्केट में इतना प्रॉफिट हो रहा था तो फिर 2 महीने से फरार क्यों है यहां तक कि ऑफिस में भी 2 महीने से ताला लगा हुआ है सूत्रों का यह भी कहना है कि समय-समय पर ऑफिस का नाम भी बदलता था कई बार ऑफिस का नाम बदल चुका है अभी जो वर्तमान में उसके ऑफिस का नाम स्टॉक सॉल्यूशन रखा गया था जो अंबिकापुर में होली क्रॉस के सामने स्थित था।

अच्छे-अच्छे बुद्धिजीवी कानून के रक्षक तक फॉड या ठगी का शिकारःसूत्र

अच्छे-अच्छे बुद्धिजीवी कानून के रक्षक तक फ्रॉड या ठगी का शिकार होते जा रहे हैं और इसका सिर्फ एक ही का कारण माना जा रहा है अपने जरूरत से ज्यादा कमाना और कमाने का शौक रखना, जिसके चक्कर में ठगों को वह अपनी जीवन भर की जमा पूंजी सौंप दे रहे हैं या कर्ज लेकर भी अपनी लालसा पूर्ति के लिए ठग गिरोहों के चक्कर में आ जा रहे हैं, आज की स्थिति में सूरजपुर के दो ठग ऐसे सामने आए हैं जिन्होंने कर्मचारीयों, पुलिसकर्मियों, व्यापारियों, अधिवक्ताओं किसी को भी नहीं छोड़ा सभी को अपने ठगी के जाल में फंसा लिया और सबसे आश्चर्य की बात तो यह है कि इनमें ऐसे भी लोग हैं जो न्याय से जुड़े हुए हैं वह भी इन ठगों के चक्कर में फंस गए, शिवप्रसादनगर का असफाक और सूरजपुर का संजीत यह दोनों ठगों की श्रेणी में आ चुके हैं 3 साल से लोगों को यह बेवकूफ बनाकर लाखों लेकर उन्हें किस्तों में ब्याज के तौर पर पैसे देते थे।

असफाक व संजीत से आर्थिक नुकसान का झटका खाने वाले, न घर के रहे और न घाट के

असफाक उल्लाह और संजीत ने कई लोगों को जिनकी संख्या सैकड़ों में भी हो सकती है वहीं कई सैकड़े हो सकती है ऐसा बताया जा रहा है को आर्थिक नुकसान बड़े आर्थिक नुकसान की ओर धकेल दिया है। पैसा दुगुना करने के नाम पर लाखों लेकर दोनों ने लोगों को ऐसा चुना लगाया की अब पैसा देने वाले लोग न घर के हैं न घाट के,इसका आशय इस तरह समझा जा सकता है की वह शिकायत कर असफाक और संजीत को कानूनी उलझनों में जरूर कुछ दिनों के लिए डाल सकते हैं लेकिन इससे भी उनको कोई लाभ नहीं होना है क्योंकि उनका लाखों डूबना तय है वहीं उन्हे यह मालूम होते हुए भी की अब उनका पैसा उन्हे नहीं मिलना है वह शिकायत दर्ज करने से बच रहे हैं और इसके पीछे की वजह एक ही है वह है की ठग बाहर रहेगें तो उनका पैसा उन्हे मिल सकता है वैसे यह भी उनकी कल्पना मात्र है इसलिए वह मौन हैं। खैर सब कुछ जानकर भी अनजान बनना ही असल मायने में ऐसे ठगों के लिए वरदान साबित होता है और ठगे जा चुके लोग न घर के रह जाते हैं न घाट के।

CMYK

पहली बार इस पड़ोसी देश की लीग में खेलेंगे शिखर धवन

अचानक हुआ बड़ा ऐलान

नई दिल्ली, 30 नवंबर 2024। भारतीय टीम के सुपरस्टार बल्लेबाज शिखर धवन ने 24 अगस्त 2024 को इंटरनेशनल क्रिकेट और घरेलू क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। इसी वजह से वह इस साल वह आईपीएल में भी खेलते हुए नहीं आएंगे। अब फैंस के लिए एक बड़ी खुशखबरी सामने आई है और धवन एक बार फिर क्रिकेट के मैदान पर जलवा बिखरने के लिए तैयार हैं। वह नेपाल प्रीमियर लीग में पहली बार खेलेंगे। हक्कमें वह करनाली याक्स का हिस्सा हैं और इस बात की जानकारी फ्रेंचाइजी ने खुद ट्वीट करके दी है।

2 दिसंबर को होगा धवन की टीम का मैच

नेपाल प्रीमियर लीग 2024 का पहला सीजन 30 नवंबर से 21 दिसंबर तक खेला जाएगा। शिखर धवन की टीम करनाली याक्स का पहला मुकाबला 2 दिसंबर को जनकपुर बोल्ट्स से होगा। जिसमें धवन खेल सकते हैं। उनकी टीम के कप्तान सोमपाल कामी हैं।

करनाली याक्स ने किया ट्वीट

करनाली याक्स ने ट्वीट करते हुए लिखा है कि इंतज़ार खत्म हुआ शिखर धवन गब्बर आ गए हैं। नेपाल प्रीमियर लीग के अविस्मरणीय सीजन के लिए करनाली याक्स में शामिल होने के लिए पावर-पैक प्रदर्शन के लिए तैयार हो जाइए। आइए मिलकर ट्रॉफी घर ले आएं।

भारत के लिए तीनों फॉर्मेट में खेला क्रिकेट

शिखर धवन ने भारतीय टीम के लिए तीनों फॉर्मेट में इंटरनेशनल क्रिकेट खेला है। उन्होंने टीम के लिए 34 टेस्ट मैचों में 2315 रन, 167 वनडे मैचों में 6793 रन और टी20 इंटरनेशनल में 27.92 के औसत से 11 अर्धशतकीय पारियों के दम पर 1759 रन बनाए हैं। तीनों फॉर्मेट में उन्होंने कुल 24 शतक लगाए हैं।

टूर्नामेंट में कुल 8 टीमें लेंगी हिस्सा

नेपाल प्रीमियर लीग के पहले सीजन में कुल 8 टीमें हिस्सा लेंगी। इनमें विराटनगर किंग्स, चितवाल राइनोस, जनकपुर बोल्ट्स, करनाली याक्स, काठमांडू गुरखास, लुंबिनी लॉयंस, पोखरा एवेंजर्स, सुदूर पश्चिम रॉयल्स शामिल हैं। टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला 21 दिसंबर को कीर्तिपुर में खेला जाएगा।

हेज़लवुड के एडिलेड में न होने से भारत के लिए राह आसान होगी

नई दिल्ली, 30 नवंबर 2024। भारत के पूर्व कप्तान अजय जडेजा का मानना है कि ऑस्ट्रेलिया के तेज़ गेंदबाज़ जोश हेज़लवुड के 6 दिसंबर से एडिलेड ओवल में शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट से बाहर होने से रोहित शर्मा की अगुआई वाली टीम के लिए राह आसान होगी।

हेज़लवुड साइड स्ट्रेन के कारण एडिलेड में खेलने से बाहर हो गए हैं, जबकि अनकैप्ड पेसर सीन एबॉट और ब्रेंडन डॉगेट को पिंक-बॉल टेस्ट के लिए टेस्ट टीम में शामिल किया गया है। पेसर ने पर्थ में पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की भारत से 295 रन की हार में पांच विकेट लिए थे। जब ऑस्ट्रेलिया ने आखिरी बार 2020 में एडिलेड में पिंक-बॉल टेस्ट में भारत के साथ खेला था, तब हेज़लवुड ने मुख्य रूप से विध्वंसक गेंदबाज़ी की थी, उन्होंने पांच ओवर में 5-8 की घातक गेंदबाजी की थी, जिससे भारत दूसरी पारी में 36 रन पर आउट हो गया था।

जडेजा ने नई दिल्ली में अपने मुख्यालय में फिक्की द्वारा आयोजित 14वें वैश्विक खेल शिखर सम्मेलन टर्फ 2024 के मौके पर कहा, इसके बावजूद (हेज़लवुड ने पांच विकेट लिए), हम (पर्थ में) जीते। इसलिए वह वहां नहीं है, यह केवल आपके लिए आसान बनाता है, जब तक कि आपको कोई नया सितारा न मिल जाए, क्योंकि खेल के साथ यह एक और बात है जिसे आप हमेशा महसूस करेंगे - कि जब तक कोई व्यक्ति उस विशेष दिन मैदान पर नहीं आता है, तब तक वह अज्ञात है।

जडेजा ने कहा, लेकिन कभी-कभी प्रतिभाशाली लोगों को भी किसी दिन शुरुआत करनी होती है, इसलिए मुझे उम्मीद है कि उन्हें कोई और प्रतिभाशाली नहीं मिलेगा, अन्यथा यह एक अच्छा संकेत है। भारत के लिए, एडिलेड में शीर्ष क्रम के बदलाव कार्ड पर हैं क्योंकि कप्तान रोहित शर्मा पितृत्व अवकाश के कारण पर्थ टेस्ट से चूकने के बाद उपलब्ध हैं, जबकि शुभमन गिल ने बाएं अंगूठे की चोट से उबरने के संकेत दिए हैं।

उन्होंने कहा, यह कम से कम कप्तान और कोच के लिए सिरदर्द है। कम से कम, कप्तान अंदर आता है, इसलिए यह उसका सिरदर्द है कि वह किसे बाहर रखता है, जो एक अच्छा सिरदर्द है। मेरा मतलब है कि उन लोगों की तलाश करने के बजाय जो मुझे गेम जिताने जा रहे हैं, अब आपको किसी ऐसे व्यक्ति को बाहर रखना होगा जिसने आपको गेम जिताया है। इसलिए अगर आपके पास कोई है तो यह एक अच्छा सिरदर्द है।

एडिलेड टेस्ट से पहले ऑस्ट्रेलिया को लगा झटका

नई दिल्ली, 30 नवंबर 2024। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 6 दिसंबर से पिंक बॉल टेस्ट खेला जाना है. पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का यह दूसरा मैच होगा। इस टेस्ट मैच से पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम को बड़ा झटका लगा है। ऑस्ट्रेलिया का सबसे अहम गेंदबाज चोटिल होने की वजह से दूसरे टेस्ट से बाहर हो गया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने एक बयान जारी कर बताया कि तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड चोटिल होने की वजह से एडिलेड में खेला जाने वाला डे-नाइट टेस्ट नहीं खेलेंगे। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जोश हेज़लवुड को लेफ्ट पैर में चोटल लगी है, जिस वजह से वह 6 दिसंबर से एडिलेड में भारत के खिलाफ पिंक बॉल टेस्ट से बाहर हो गए हैं। अपने डेब्यू के बाद से ऐसा पहली बार होगा, जब हेजलवुड घर पर भारत के खिलाफ कोई टेस्ट मैच मिस करेंगे।

सिर्फ डेविड वॉर्नर और स्टीव स्मिथ नहीं,ऑक्शन में नहीं बिके हैं ऑस्ट्रेलिया के 25 खिलाड़ी

नई दिल्ली,30 नवंबर 2024। आईपीएल 2025 का मेगा ऑक्शन 24 और 25 नवंबर को सऊदी अरब के जेद्दा में हुआ था, जिसमें 182 खिलाड़ी बिके। इन सभी को खरीदने के लिए फ्रेंचाइजियों ने 639.15 करोड़ रुपए खर्च किए हैं, जबकि आईपीएल 2024 तक मिचेल स्टार्क सबसे महंगे खिलाड़ी थे। इस बार आईपीएल टीमों ने ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों पर ज्यादा फोकस नहीं किया। आईपीएल मेगा ऑक्शन 2025 में जोश हेजलवुड सबसे महंगे ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी बने. लेकिन इस बार हेजलवुड को सिर्फ 12.50 करोड़ रुपए में खरीदा गया।

इस सीजन में कई बड़े ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी अनसोल्ड रहे. जिसमें डेविड वॉर्नर और स्टीव स्मिथ शामिल हैं। लेकिन सिर्फ डेविड वॉर्नर और स्टीव स्मिथ ही नहीं, बल्कि 25 ऐसे बड़े ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी हैं जो आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन में अनसोल्ड रहे।

जोश हेजलवुड: आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन के लिए जोश हेजलवुड का बेस प्राइस 2 करोड़ रुपये था. स्टार्क को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 12.50 करोड़ रुपये में खरीदा है।

मिचेल स्टार्क: आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन के लिए मिचेल स्टार्क का बेस प्राइस 2 करोड़ रुपये था।. स्टार्क को दिल्ली कैपिटल्स ने 11.75 करोड़ रुपये में खरीदा है।

मार्कस स्टोइनिस: आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन के लिए मार्कस स्टोइनिस का बेस प्राइस 2 करोड़ रुपये था। स्टार्क को पंजाब किंग्स ने 11 करोड़ रुपये में खरीदा है।

जेक फ्रेजर-मैक्गर्क: आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन के लिए जेक फ्रेजर-मैक्गर्क का बेस प्राइस 2 करोड़ रुपये था. स्टार्क को दिल्ली कैपिटल्स ने 9 करोड़ रुपये में खरीदा है।

ग्लेन मैक्सवेल:आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन के लिए ग्लेन मैक्सवेल का बेस प्राइस 2 करोड़ रुपये था. स्टार्क को पंजाब किंग्स ने 4.20 करोड़ रुपये में खरीदा है।.

टीम इंडिया को हुआ नुकसान,मनुका ओवल में बारिश बनी विलेन;बिना टॉस के पहला दिन रद्द

नई दिल्ली, 30 नवंबर 2024। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जा रही है। सीरीज का दूसरा टेस्ट डे-नाइट पिंक बॉल टेस्ट होगा। इस मैच की तैयारी के लिए टीम इंडिया को प्राइम मिनिस्टर इलेवन के खिलाफ दो दिवसीय वॉर्म अप मैच खेलना था।वॉर्म अप मुकाबले की शुरुआत आज यानी 30 नवंबर, शनिवार से होनी थी, लेकिन बारिश के चलते पहला दिन बगैर टॉस के ही रद्द हो गया। मुकाबले का पहला दिन रद्द हो जाना टीम इंडिया के लिए भारी नुकसान साबित हो सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि अब भारतीय टीम को

पिंक बॉल टेस्ट की तैयारी के लिए वॉर्म अप मैच में सिर्फ एक ही दिन मिलेगा। मुकाबला मनुका ओवल में होना है, जहां बारिश टीम इंडिया के लिए विलेन बनती हुई नजर आ रही है।पहला दिन बारिश की भेंट चढ़ने के बाद दूसरे दिन दोनों टीमें 50 ओवर का मैच खेलेंगी यानी दोनों टीमों को दूसरे दिन 50-50 ओवर खेलने हैं।

मैच फिक्सिंग मामले में दक्षिण अफ्रीका के 3 क्रिकेटर गिरफ्तार

नई दिल्ली, 30 नवंबर 2024। क्रिकेट जैसे खेल में मैच फिक्सिंग करना बहुत बड़ा अपराध है। इसका खुलासा होने के बाद इस अपराध को करने वाले खिलाड़ियों को जेल भी हो जाती है। ऐसा ही एक मामला दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट में देखने को मिला है। जहां 8 साल पुराने मैच फिक्सिंग कांड का खुलासा हुआ है, जिसके लिए तीन खिलाड़ियों को गिरफ्तार किया गया है। इस कांड के लिए थामी सोलेकिल, लोनावो त्सोटोबे और एथी मबालाती को गिरफ्तार किया गया है। इन तीनों क्रिकेटरों को 18, 28 और 29 नवंबर को गिरफ्तार किया गया। इन पर 2015-16 टी20 रैम स्लैम चैलेंज टूर्नामेंट में मैच फिक्सिंग में शामिल होने का आरोप है।

यह गिरफ्तारी डीपीसीआई की सीरियस करप्शन इन्वेस्टिगेशन यूनिट द्वारा की गई. यह जांच 2016 में एक व्हिसलब्लोअर द्वारा किए गए खुलासे पर आधारित थी। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका के एंटी-करप्शन अधिकारी द्वारा गुलाम बोदी की संदिग्ध गतिविधियों का पता चलने के बाद जांच शुरू की गई थी।

थामी सोलेकिल और लोनावो त्सोटोबे पर प्रिवेंशन एंड कंट्रोल ऑफ करप्शन एक्ट, 2004 के तहत 5 आरोप लगाए गए हैं। दोनों खिलाड़ी 29 नवंबर 2024 को प्रिटोरिया में स्पेशलाइज्ड कमर्शियल क्राइम कोर्ट में पेश हुए, जहां मामले की अगली सुनवाई 26 फरवरी 2025 को निर्धारित की गई है।

जोश फिल्म के एक्टर पर एक्ट्रेस ने लगाया गंभीर आरोप

जोश, तमन्ना, दस्तक, त्रिशक्ति, और इसकी टोपी उसके सर जैसी फिल्मों के लिए मशहूर बॉलीवुड एक्टर शरद कपूर पर एक युवती ने गंभीर आरोप लगाए हैं। युवती ने बॉलीवुड अभिनेता पर आरोप रेप की कोशिश का आरोप लगाया है। युवती का आरोप है कि एक्टर ने उसे पहले तो ऑफिस के बहाने घर बुला लिया और फिर उसके साथ रेप की कोशिश की। युवती ने अभिनेता के खिलाफ इस मामले में शिकायत कर दी है, पुलिस ने विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी है।

पीड़िता का आरोप है कि वो फेसबुक के जरिए शरद कपूर के साथ संपर्क में आई थी। ये कन्फर्म करने के लिए कि वह शरद कपूर से ही बात कर रही है, उसने वीडियो कॉल पर अभिनेता से बात की। शरद ने युवती से कहा कि वे एक शूटिंग के सिलसिले में उससे बात करना चाहते हैं और मिलना चाहते हैं। इसके बाद शरद ने फोन के जरिए युवती को अपनी लोकेशन भेजी और उसे खार स्थित दफ्तर आने को कहा। लेकिन, जब युवती वहां पहुंची तो उसे पता चला कि ये शरद का ऑफिस नहीं घर है।

युवती के अनुसार, वह खार स्थित इमारत की तीसरी मंजिल वाले घर पर पहुंची। वहां शरद मौजूद थे। वह किचन से बेडरूम की तरफ गए। कुछ देर बाद शरद ने आवाज दी और उसे भी बेडरूम में आने को कहा। जब युवती बेडरूम के दरवाजे के पास पहुंची तो उसने देखा कि शरद बिना कपड़ों के वहां बैठे हुए हैं। ऐसे में युवती ने अभिनेता को कपड़े पहनकर बात करने के लिए कहा। शरद ने उसे बाहों में भरने और पीछे से गलत तरीके से पकड़ा। जिसके चलते युवती ने शरद को धक्का दिया और वहां से भाग निकली। पीड़िता एक एक्टर और प्रोड्यूसर है, जिसने शरद कपूर के खिलाफ पुलिस में अफआईआर दर्ज कराई है। शरद कपूर के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 74 (महिला की लज्जाभंग के लिए बल प्रयोग करना), धारा 79 (महिला की गरिमा भंग करने के लिए बोले गए शब्द, इशारे या कार्य) और धारा 75 (महिला की इच्छा के खिलाफ उसे शारीरिक और भावनात्मक रूप से परेशान करना) के तहत एफआईआर दर्ज की गई है।

ब्लैक आउटफिट पहन नेहा मलिक ने दिखाया बोल्ड अवतार

भोजपुरी क्वीन की हॉटनेस देख फैंस के उड़े होश

भोजपुरी एक्ट्रेस नेहा मलिक आए दिन अपनी हॉटनेस और बोल्डनेस से सोशल मीडिया का पारा बढ़ाती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस नेहा मलिक ने अपने लेटेस्ट किलर फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन फोटोज में उनका किलर लुक देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं।एक्ट्रेस नेहा मलिक सोशल मीडिया पर कुछ भी पोस्ट करती है तो वो तेजी से वायरल होने लगती है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट हॉट फोटोशूट की तस्वीरें पोस्ट की हैं।इन फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस बेहद ही स्टनिंग लुक में पोज देती हुई एक से बढ़कर एक पोज देते हुए इंटरनेट का तापमान बढ़ा रही हैं।नेहा मलिक की इन फोटोज में आप देख सकते हैं उन्होंने ब्लैक कलर का बेहद ही स्टाइलिश जैकेट और ब्लैक पेंट पहना हुआ है। बालों की पोनीटेल बांधकर और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस नेहा मलिक ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।बता दें कि नेहा मलिक जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी हर एक तस्वीरों पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हुए नहीं थकते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी ऐसा ही देखने को मिल रहा है। एक यूजर ने उनकी इन फोटोज पर कॉमेंट करते हुए लिखा है-टू मच हॉट। दूसरे ने लिखा है-यू लुक सो गॉर्जिस। तीसरे यूजर ने लिखा है-लुकिंग गुड।

राज कुमार के बेटे के आगे नहीं टिकते रणबीर-रणवीर जैसे एक्टर्स

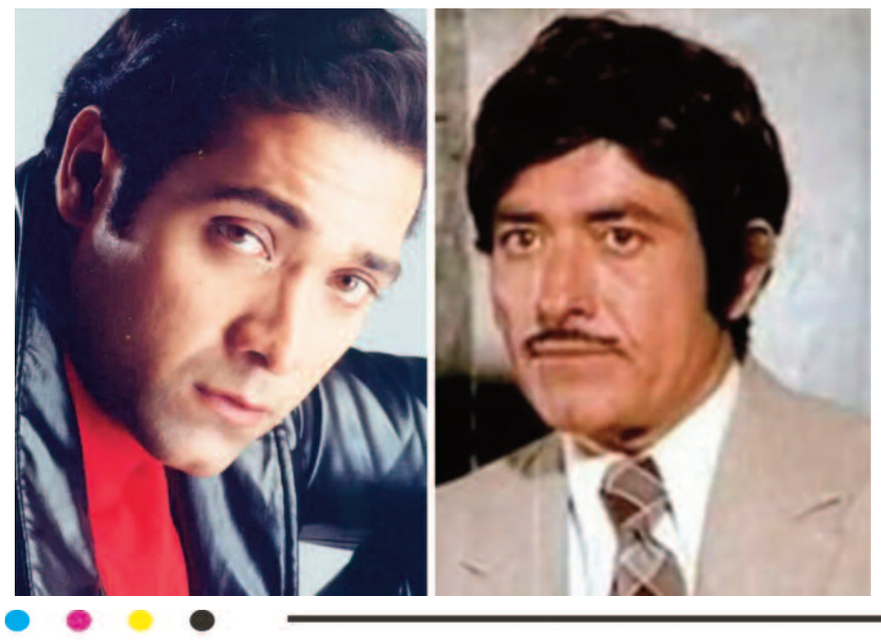

पर्सनैलिटी पिता की तरह दमदार, फोटो देख लोग बोले- रफ टफ हैंडसम हीरो

तिरंगा, क्रांतिवीर, सौदागर, हीर रांझा जैसी फिल्मों में अपने अभिनय का परचम लहराने वाले एक्टर राज कुमार तो आपको याद होंगे। आज भले ही वो हम सबके बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी फिल्में आज भी हम सबका मनोरंजन करती हैं। क्या आप जानते हैं कि राज कुमार के बेटे भी बॉलीवुड में अपना हाथ आजमा चुके हैं और पहली ही फिल्म इन्होंने सुपरस्टार करिश्मा कपूर के साथ की, लेकिन वो अपने पिता जितनी सफलता हासिल नहीं कर पाए और उनकी पहली ही फिल्म सुपर फ्लॉप हो गई। अब राज कुमार के बेटे क्या करते हैं और कैसे दिखते हैं बॉलीवुड एक्टर राज कुमार ने एयर होस्टेस जेनिफर (गायत्री) के साथ शादी रचाई थी, जिससे उनके तीन बच्चे हैं। उनके बेटे पुरु राज कुमार भी अपने पिता की तरह एक एक्टर बनना चाहते थे। उन्होंने 1996 में करिश्मा कपूर के साथ बाल ब्रह्मचारी फिल्म से अपने करियर की शुरुआत की। ये फिल्म उनके पिता की मौत के कुछ महीनों बाद ही रिलीज हुई थी। हालांकि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कोई कमाल नहीं कर पाई. इसके 3 साल बाद पुरु ने हमारा दिल आपके पास है फिल्म में एक नेगेटिव किरदार निभाया। ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ठीक-ठाक कमाल कर पाई। इसके बाद उन्होंने मिशन कश्मीर, एलओसी कारगिल और उमराव जान जैसी फिल्मों में काम किया, लेकिन वो अपने पिता की तरह सक्सेसफुल नहीं हो पाएं।

53 वर्षीय पुरु राज कुमार लंबे समय से फिल्म इंडस्ट्री से दूर हैं। 2011 में पुरु ने क्रोएशियाई मॉडल कोरलजिका ग्रडक से शादी की। आखिरी बार उन्हें अजय देवगन और सोनाक्षी सिन्हा की फिल्म एक्शन जैक्सन में देखा गया था, जो साल 2014 में रिलीज हुई थी। पुरु ने अपने फिल्मी करियर में करीब 20 फिल्मों में काम किया लेकिन ज्यादातर फिल्मों में उन्हें साइड रोल में ही देखा गया। जिन फिल्मों में वो लीड रोल में थे वो भी सक्सेसफुल नहीं रही. सोशल मीडिया पर भी पुरु एक्टिव नहीं रहते हैं।

CMYK

प्रदेश की संक्षिप्त खबरें

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 7 को आएंगे छत्तीसगढ़

रायपुर,30 नवम्बर 2024(ए)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आगामी 7 दिसंबर को छत्तीसगढ़ के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे दो महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में शामिल होंगे। गृह मंत्री के साथ केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया भी रायपुर पहुंचेंगे। जानकारी के अनुसार अमित शाह रायपुर में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ पुलिस को प्रेसिडेंट पुलिस कलर' सम्मान प्रदान करेंगे। इसके अलावा गृह मंत्री बस्तर ओलंपिक के कार्यक्रम में भी शामिल होंगे। यह आयोजन छत्तीसगढ़ के आदिवासी क्षेत्रों में खेल और संस्कृति को प्रोत्साहित करने का प्रतीक है।

दवा कारोबारी से 60 हजार की रिश्वत लेते सीजीएसटी के 2 अफसर गिरफ्तार

सीबीआई ने रंगे हाथों पकड़ा

रायपुर,30 नवम्बर 2024(ए)। सीबीआई की टीम ने केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर के दो अफसरों को दवा कारोबारी से 60 हजार रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार रायपुर में पदस्थ सुपरिंटेंडेंट इलोंका मिंज और इंस्पेक्टर सौम्य रंजन मलिक जीएसटी की राशि में गड़बड़ी की सेटलमेंट करने और पेनल्टी से बचाने के नाम पर घूस मांग रहे थे।
सीबीआई से मिली जानकारी के मुताबिक मिंज और मलिक ने दवा कारोबारी राहुल वर्मा को 3 लाख रुपए की पेनल्टी का डर दिखाया और इसके सेटलमेंट के लिए उसने पहले 75 हजार रुपए मांगे थे। जिसके बाद सीबीआई ने अफसरों को 60 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया है।

पूरा हुआ टारगेट तो सीएम ने जनता को दी बधाई

- ये उपलब्धि है बेमिसाल, इसके लिए छत्तीसगढ़ वासियों का आभार...
- छत्तीसगढ़ बीजेपी ने पूरा किया सदस्यता अभियान का टारगेट...
- सीएम साय ने प्रदेश के सभी नए कार्यकर्ताओं का किया स्वागत...
- बीजेपी ने 86 दिनों में बनाए 60 लाख से ज्यादा सदस्य...
- छत्तीसगढ़ को पहले मिला था 50 लाख का टारगेट, बाद में बढ़ाया...

रायपुर,30 नवम्बर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ बीजेपी ने सदस्यता अभियान को अपने लक्ष्य को पूरा कर लिया है। बीजेपी संगठन ने 86 दिन में 60 लाख से ज्यादा सदस्य बनाए हैं। सदस्यता अभियान का लक्ष्य पूरा होने के अवसर पर बीजेपी ने पोस्टर जारी किया है। इसके साथ ही प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव,राष्ट्रीय चुनाव प्रभारी नरेश बंसल और बीजेपी प्रदेश प्रभारी नितिन नबीन ने गुब्बारे उड़ाकर सदस्यता अभियान के टारगेट को पूरा करने की खुशी जताई। छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय ने बीजेपी के सभी कार्यकर्ताओं को बधाई दी है।

सीएम के कार्यकर्ताओं को दिया धन्यवाद

सीएम साय ने टारगेट पूरा होने पर अपने सोशल मीडिया पर लिखा- ये उपलब्धि है बेमिसाल, छत्तीसगढ़ वासियों का आभार। हमारे छत्तीसगढ़ प्रदेश में विश्व के सबसे बड़े राजनीतिक संगठन भाजपा की सदस्यता संख्या अपने लक्ष्य 60 लाख के आंकड़ें को पार कर गई है। राष्ट्र निर्माण में मजबूत सहभागी बनने को तत्पर इन सभी सदस्यों का भाजपा परिवार में हार्दिक स्वागत करता हूं।

गौरवान्वित करने वाला क्षण

सीएम ने कहा- निश्चित ही यह प्रदेश भाजपा संगठन के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि और गौरवान्वित करने वाला क्षण है। मैं सभी वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का सहृदय अभिनंदन करता हूं। आप सभी प्रदेशवासियों से आग्रह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के विकसित भारत-विकसित छत्तीसगढ़ की परिसंकल्पना को साकार करने हेतु राष्ट्र और जनसेवा को समर्पित भारतीय जनता पार्टी से जुड़ें।

जेपी नड्डा ने बढ़ाया था टारगेट

बीजेपी ने सदस्यता अभियान कार्यक्रम के तहत छत्तीसगढ़ को पहले 50 लाख सदस्य बनाने का टारगेट दिया था। उसके बाद सितंबर महीने में जेपी नड्डा छत्तीसगढ़ दौरे पर पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों के साथ बैठक की थी। नड्डा ने बैठक में सीनियर नेताओं से सदस्यता अभियान के टारगेट पर फोकस करने के लिए कहा था। इसके साथ ही उन्हें टारगेट को बढ़ाकर 60 लाख कर दिया था।
जेपी नड्डा ने टारगेट बढ़ाते हुए कहा था कि सभी सांसदों को 20-20 हजार, विधायकों को 10-10 हजार और बूथों पर 200 सदस्य बनाने हैं। नड्डा ने कहा कि वक्त कम है इसके लिए जुट जाएं। अब छत्तीसगढ़ बीजेपी ने अपने टारगेट को पूरा कर लिया है। इस मौके पर बीजेपी के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया।

2024 बैच के आईएएसअधिकारियों का कैडर लिस्ट हुआ जारी

छत्तीसगढ़ को मिले 3 आईएएस ऑफिसर

रायपुर,30 नवम्बर 2024(ए)। केंद्रीय कार्मिक एवं प्रशिक्षण मंत्रालय ने 2024 बैच के आईएएस अधिकारियों को उनके कैडर आवंटित कर दिए हैं। इस बैच में कुल 180 अधिकारियों को विभिन्न राज्यों में कैडर मिला है। छत्तीसगढ़ को इस बार 3 आईएएस अधिकारी मिले हैं, जिनमें सभी अन्य राज्यों से हैं. आवंटन सूची जारी होने के बाद अब संबंधित राज्य सरकारें इन अधिकारियों की पोस्टिंग करेंगी।

इन अधिकारियों को मिला छत्तीसगढ़ कैडर

पश्चिम बंगाल के निवासी अक्षय दोशी ने यूपीएससी में 75वीं रैंक प्राप्त किया है. उन्हें छत्तीसगढ़ कैडर मिला है और वे जनरल कैटेगरी से आते हैं।
उत्तर प्रदेश के निवासी विपिन दुबे ने को भी छत्तीसगढ़ कैडर मिला है। उन्होंने यूपीएससी में 238वीं रैंक हासिल किया है और वे भी जनरल कैटेगरी से हैं।
महाराष्ट्र निवासी क्षितिज गुरभेले ने यूपीएससी में 441वीं रैंक प्राप्त किया है। वे अनुसूचित जाति (एससी) वर्ग से आते हैं और उन्हें भी छत्तीसगढ़ कैडर आवंटित हुआ है।
यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2023 का फाइनल रिजल्ट 16 अप्रैल 2024 को घोषित किया गया था। परीक्षा कुल 1139 पदों के लिए आयोजित हुई थी, जिसमें पहली सूची में 1016 अभ्यर्थियों का चयन हुआ। बाद में 25 अक्टूबर 2024 को रिजर्व लिस्ट जारी की गई, जिसमें 120 अतिरिक्त अभ्यर्थियों के नाम शामिल थे।

यूपीएससी परीक्षा टॉपर्स और उनके कैडर

आदित्य श्रीवास्तव (उत्तर प्रदेश): टॉपर रहे आदित्य को उनका होम कैडर (उत्तर प्रदेश) आवंटित हुआ।
अनिमेष प्रधान (ओडिशा): दूसरे स्थान पर रहे अनिमेष को ओडिशा कैडर मिला।
अनन्या रेड्डी (तेलंगाना): तीसरे स्थान पर रहीं अनन्या को महाराष्ट्र कैडर आवंटित हुआ।
यूपीएससी 2023 परीक्षा का रिजल्ट इस साल 16 अप्रैल 2024 को जारी हुआ। यूपीएससी 2023 परीक्षा माध्यम से चयनित सभी अभ्यर्थियों को 2024 बैच का हिस्सा बनाया गया है।

नामी बिल्डर पर पुलिस का शिकंजा

खैरागढ़,30 नवम्बर 2024(ए)। दूसरे की जमीन को अपना बताकर बेचने और अग्रिम भुगतान के पैसे वापस न करना खैरागढ़ के एक नामी बिल्डर पर भारी पड़ गया। आईजी के निर्देश पर पुलिस ने बिल्डर विकास आर्या के खिलाफ धारा 420 (धोखाधड़ी) के तहत मामला दर्ज किया है। मामले में शिकायतकर्ता अस्पताल चौक निवासी सीबी तिवारी ने बताया कि उन्होंने 18 अगस्त 2020 को खम्हरिया खुर्द, पटवारी हल्का नंबर 31, ब्लॉक नंबर 01, प्लॉट नंबर 39 में 2500 वर्गफुट जमीन खरीदने के लिए बिल्डर विकास आर्या से इकरारनामा किया। इसके लिए अलग-अलग किश्तों में 6 लाख रुपए से अधिक का भुगतान किया। इकरारनामा के अनुसार, जनवरी 2021 तक जमीन की रजिस्ट्री होनी थी, लेकिन बिल्डर लगातार टालमटोल करता रहा। इस बीच उन्हें पता चला कि जिस जमीन का सौदा बिल्डर ने किया है,वह राजस्व रिकॉर्ड में उसके नाम पर ही नहीं है। इतना ही नहीं, तय समय से पहले ही बिल्डर ने उसी जमीन को किसी और को बेच दिया था।

सरेण्डर करने वाले नक्सली और पीड़ितों को मिलेगा मकान

रायपुर,30 नवम्बर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ सरकार ने आत्मसमर्पित नक्सलियों और नक्सल पीड़ित परिवारों को राहत देने उनके पुनर्वास के लिए ऐतिहासिक कदम उठाया है. जिसके तहत राज्य के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल पर केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के अंतर्गत 15000 आवासों की स्वीकृति प्रदान की है। आत्मसमर्पित करने वाले नक्सलियों एवं पीड़ित परिवारों के पुनर्वास को लेकर सरकार गंभीर है और उन्हें मुख्यधारा में लाने सकारात्मक प्रयास कर रही है. सीएम साय ने कहा कि नक्सल प्रभवित क्षेत्रों में रहने वाले आत्मसमर्पित नक्सलियों और पीड़ित परिवारों को

मुख्यधारा में जोड़ने के लिए यह पहल एक बड़ा कदम है.सीएम साय ने कहा कि प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत 15000 आवास केवल मकान नहीं बल्कि उन परिवारों के लिए सम्मान और सुरक्षा का प्रतीक है. जिसे हमारी सरकार पूरी पारदर्शिता और तत्परता के साथ लागू करेगी. उन्होंने कहा कि प्रदेश के विकास एवं शांति के लिए एवं उनके जीवन को बेहतर बनाने के लिए हमारी सरकार संकल्पबद्ध है। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवारों को आवास मिल जाने से नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाले परिवारों को एक सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन प्रदान करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी.

स्टॉक मार्केट में मोटा मुनाफा दिलाने के नाम पर बुजुर्ग से 46 लाख 20 हजार की ठगी

बिलासपुर,30 नवम्बर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ की न्यायधानी बिलासपुर में साइबर ठगी का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जिसमें ठगों ने स्टॉक मार्केट में निवेश से बड़ा मुनाफा दिलाने का झांसा देकर 66 वर्षीय सेवानिवृत्त बुजुर्ग से 46 लाख 20 हजार रुपये की ठगी कर ली। पीड़ित की शिकायत के बाद साइबर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आगामी नगरीय निकाय-पंचायत चुनाव के लिए बीजेपी की संभाग स्तरीय बैठक हुई

रायपुर,30 नवम्बर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ में आगामी नगरीय निकाय चुनावों की तैयारी को लेकर बीजेपी की महत्वपूर्ण बैठक आज रायपुर स्थित कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में शुरू हुई. बैठक में प्रदेश प्रभारी नितिन नबीन, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव, स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल, और बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंहदेव सहित कई मंत्री और जनप्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक में पार्टी नगरीय निकाय और त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए अपनी रणनीति पर चर्चा कर रही है। आगामी चुनावों को लेकर संगठनात्मक तैयारियों को मजबूत बनाने और चुनावी एजेंडा तय करने पर भी विचार-विमर्श किया जा रहा है। बीजेपी इस बैठक के माध्यम से अपने सभी कार्यकर्ताओं को चुनावी मोड में लाने की तैयारी में जुटी है, ताकि आगामी चुनावों में पार्टी को मजबूती मिल सके।

बीजेपी में मंडल और जिला अध्यक्षों के चुनाव के लिए आयु सीमा तय

भाजपा संगठन चुनाव को लेकर छत्तीसगढ़ में तैयारियां तेज हो गई है। संगठन चुनाव में युवाओं को मौका देने के लिए भाजपा ने बड़ा फैसला लिया है। बताया जा रहा है कि पार्टी ने मंडल अध्यक्ष और जिला अध्यक्षों के चुनाव के लिए आयु सीमा तय कर दी है। जबकि बीजेवाईएम जिलाध्यक्ष के लिए भी उम्र की सीमा हटाई गई है। आयु सीमा तय किए जाने को लेकर छत्तीसगढ़ भाजपा प्रभारी नितिन नबीन ने कहा है कि भाजपा युवाओं को ज्यादा से ज्यादा मौका देना चाहती है इसलिए ऐसा किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार भाजपा ने मंडल अध्यक्ष के लिए 45 वर्ष की आयु और जिला अध्यक्ष के लिए 60 वर्ष की उम्र तय की है। यानि 45 साल से अधिक आयु वाले कार्यकर्ता मंडल अध्यक्ष नहीं बन सकेंगे। बात करें भारतीय जनता युवा मोर्चा की तो यहां उम्र की सीमा घटा दी गई है। बीजेवाईएम जिलाध्यक्ष के लिए 32 वर्ष की आयु तय की गई है। बता दें कि पहले बीजेवाईएम जिलाध्यक्ष के लिए अधिकतम 35 साल की उम्र थी। आयु सीमा तय किए जाने को लेकर प्रदेश भाजपा प्रभारी नितिन नबीन ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि बीजेपी युवाओं को ज्यादा से ज्यादा मौका दे रही है। बीजेपी और कांग्रेस में जमीन-आसमान का अंतर है, कांग्रेस में केवल गांधी परिवार को मौका मिलता है। बीजेपी में बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को समान अवसर मिलता है।

फ्लोरा मैक्स का मकड़जाल फैला

ब्रांच मैनेजर समेत 3 आरोपी हुए गिरफ्तार

जांजगीर-चांपा,30 नवम्बर 2024(ए)। लुभावने बिजनेस स्कीम का झांसा देकर महिला समूहों को ठगी का शिकार बनाने वाले फ्लोरा मैक्स का मकड़जाल जांजगीर-चांपा में भी फैला हुआ है, जहां 2700 लोगों को 30-30 हजार रुपए को झांसा देकर कुल लगभग 8 करोड़ रुपए की ठगी को अंजाम दिया गया। मामले में जांजगीर पुलिस ने कंपनी के ब्रांच मैनेजर समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।प्रार्थिया नीरा साहू की ठगी की शिकायत पर चांपा पुलिस ने अलग-अलग जगहों छापेमारी कर कोरबा निवासी आरोपी ईश्वर दास महंत, जांजगीर-चांपा जिला निवासी संतोष दास मानिकपुरी और सक्ती जिला निवासी गोपी किशन सुखसारथी को पकड़ा। आरोपियों ने पूछताछ में अपना जुर्म स्वीकार करते हुए लगभग 10-10 लाख रुपए लेना स्वीकार किया। आरोपियों के साथ कार्यालय से उपयोग किए कम्प्यूटर सेट, प्रिंटर, लेपटाप, नोट गिनने का मशीन, रजिस्टर और प्रचार-प्रसार की सामग्री बरामद किया है।
पुलिस की अभी तक की जांच में पाया गया है कि जांजगीर चाम्पा जिले से 2700 लोगों के साथ फ्लोरा मैक्स कंपनी ने धोखाधड़ी की है। प्रकरण की विवेचना जारी है, जिससे आने वाले दिनों में और भी कई प्रभावित सामने आ सकते हैं। वहीं दूसरी ओर जांजगीर-चांपा पुलिस आम जनता से अपील की है कि ऐसी धोखाधड़ी योजनाओं से सतर्क रहें, और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल स्थानीय पुलिस को दें।

राजधानी में शरारती तत्वों ने आठ गाड़ियों को जलाया

रायपुर,30 नवम्बर 2024(ए)। राजधानी रायपुर के आरडीए कॉलोनी, बोरियाखुर्द में बीती रात अज्ञात शरारती तत्वों ने आठ गाड़ियों में पेट्रोल डालकर आग लगा दी, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आगजनी में सात दोपहिया वाहन और एक ऑटोरिक्शा जलकर पूरी तरह से नष्ट हो गए। आग इतनी तेज थी कि आसपास के घरों तक पहुँच गई, जिससे वहाँ के परिवार भी दहशत में आ गए।

पीड़ित परिवारों का कहना है कि यह आगजनी जानबूझकर की गई है। घटना रात करीब 3 बजे की है, जब एक स्कूटी के ब्लास्ट होने की आवाज से कॉलोनी के लोग जागे और देखा कि चार परिवारों के 6 दोपहिया वाहन और एक ऑटो आग की चपेट में आ चुके थे। पीड़ितों ने टिकरापारा थाने में मामले की शिकायत दर्ज कराई है। पीड़ितों का आरोप है कि इस घटना के पीछे कुछ लोगों की साज़िश हो सकती है, क्योंकि इससे पहले दिन में उनका कुछ लोगों से विवाद हुआ था और उन्हें शिकायत न करने की धमकी भी दी गई थीस्थानीय निवासियों का कहना है कि बोरियाखुर्द में देर रात नशेड़ियों का जमावड़ा लगता है और आए दिन अपराधिक घटनाएं होती हैं। इसके बावजूद इलाके में पुलिस की गश्त का अभाव है, जिससे लोग भय के माहौल में जीने को मजबूर हैं। इस मामले पर टिकरापारा थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि गाड़ियों में आग लगने की शिकायत मिली है और मामले की जांच की जा रही है। पुलिस घटना की गंभीरता से जांच कर रही है और आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने का प्रयास कर रही है।

रेप का आरोपी दुबई भागने की कर रहा था तैयारी

सीजी पुलिस ने मुंबई एयरपोर्ट में दबोचा...

बिलासपुर,30 नवम्बर 2024(ए)। जिले के सरकंडा थाना क्षेत्र के मोपका में शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने वाले फरार आरोपी को पुलिस के टीम ने मुंबई एयरपोर्ट में धर दबोचा है। बताया जाता है कि आरोपी दुबई भागने की तैयारी कर रहा था। बता दें कि पकड़े गए आरोपी का नाम रंजीता कुमार गौड़ा 20 वर्ष है, जो उड़ीसा के गंजम जिले का रहने वाला है। पीड़िता ने 9 नवंबर को थाना सरकंडा में रिपोर्ट दर्ज कराई। जिसमें बताया कि आरोपी रंजीता कुमार से उसकी पहचान मोबाइल के माध्यम से हुई थी। 15 अप्रैल 2022 को आरोपी ने पीड़िता शादी का झांसा देकर साईं अनंत होटल, मोपका में बुलाकर उसके साथ जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाया। शिकायत दर्ज करने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की। जांच के दौरान पता चला कि आरोपी ने पीड़िता को फोन कर बताया कि वह विशाखापट्टनम से मुंबई होते हुए दुबई भागने की योजना बना रहा है।इसकी सूचना वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई, जिन्होंने तत्काल कार्रवाई के

निर्देश दिए। थाना प्रभारी उपनिरीक्षक रामनरेश यादव और आरक्षक दीपक खांडेकर ने मुंबई जाकर छत्रपति शिवाजी इंटरनेशनल एयरपोर्ट के सामने से आरोपी को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपी ने जुर्म स्वीकार किया और बताया कि उसने दुबई जाने के लिए पासपोर्ट और वीजा तैयार कर रखा था। वह 28 नवंबर को दुबई जाने वाला था। आरोपी को मुंबई से बिलासपुर लाकर न्यायिक हिरासत में भेजा गया।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साईं ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)